राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 25 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-299 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

संसद के शीतकालीन सत्र के हंगामेदार होने के आसार

-सर्वदलीन बैठक आयोजित, कांग्रेस ने की अडानी मामले पर चर्चा की मांग

-सरकार ने कहा- किसी भी विषय पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। सत्र से पहले रविवार को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें विपक्ष ने कई मुद्दों को उठाने की तैयारी दिखाई है। कांग्रेस ने अडानी मामले पर सदन में चर्चा की मांग रखी है। बैठक उपरांत केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार संसद में किसी भी विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। इसी के साथ उन्होंने सदन को शांतिपूर्ण तरीके से चलाने की अपील की।

सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने गौतम अडानी पर रिश्वतखोरी मामले के साथ ही अडानी समूह पर लगे आरोपों और मणिपुर हिंसा को लेकर चर्चा की मांग की। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों का हवाला देते हुए इस पर विस्तृत चर्चा का आग्रह किया है। साथ ही मणिपुर में जातीय हिंसा और मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए चर्चा की मांग रख दी है। इसके साथ ही विपक्ष ने बढ़ते प्रदूषण और हालिया रेल दुर्घटनाओं के मामले पर भी चर्चा की मांग की है। किरण रिजिजू ने बैठक बाद कहा कि सरकार सत्र के दौरान हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, कि हमारा उद्देश्य सत्र शांति और उत्पादकता के साथ पूरा हो। सदन में सार्थक चर्चा हो और सभी सदस्य अपनी भागीदारी निभाएं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से भाजपा आत्मविश्वास से भरी हुई है, लेकिन विपक्ष के आक्रामक रुख को देखते हुए कहा जा रहा है कि संसद का शीतकालीन सत्र हंगामेदार रहने वाला है।

संविधान दिवस पर होगा विशेष आयोजन

26 नवंबर को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में संसद का कोई सत्र नहीं होगा। इस दिन संविधान भवन में विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि होंगी। इस मौके पर संविधान निर्माण की प्रक्रियाओं और ऐतिहासिक तथ्यों को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष दस्तावेज और पुस्तकें जारी की जाएंगी।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर गंभीर, नोएडा के स्कूल भी 27 तक ऑनलाइन

- हवा में प्रदूषण के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों में सांस लेने में मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली । दिल्ली एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अभी भी गंभीर बनी हुई है। शनिवार को शहर में एक्यूआई 500 के स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही गुरुग्राम में भी 491 का एक्यूआई दर्ज किया गया। हवा में प्रदूषण के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों में सांस लेने में मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक्यूआई को 0-50 के बीच अच्छा, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मॉडरेट, 201-300 के बीच 'खराब, 301-400 के बीच बेहद खराब और 401-500 के बीच गंभीर माना जाता है। गुरुवार को हवा की गति में वृद्धि के कारण राजधानी में गंभीर श्रेणी की 5 दिनों की चेन टूटी थी। हालांकि, शनिवार को फिर से यह 412 पर पहुंच गया, जो कि गंभीर कैटेगरी में आता है। यह आंकड़ा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 24 घंटे के औसत डेटा पर आधारित है।

जम्मू कश्मीर में आतंकियों के ठिकाने से गोला बारूद व हथियार बरामद

- मालवा गांव से सटे जंगलों में चलाया गया संयुक्त अभियान

श्रीनगर । पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर बारामुल्ला जिले के कुंजर इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला बारूद और हथियार बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेना, पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान के दौरान आतें कियों के ठिकाने का खुलासा हुआ। जानकारी अनुसार बारामुल्ला पुलिस, बडगाम पुलिस और 62 आरआर द्वारा पुलिस स्टेशन कुंजर के अधिकार क्षेत्र के मालवा गांव से सटे जंगलों में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान, एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत सामग्री जब्त करने के बाद, ठिकाने को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में 8 लोग गंभीर घायल

- एक कैंटर ने इनोवा और टोयोटा कारों को टक्कर मार दी

आगरा । आगरा से नोएडा की दिशा में जा रहे कैंटर ने यमुना एक्सप्रेसवे पर एक कैंटर ने इनोवा और टोयोटा कारों को टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल यात्रियों को तत्काल एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल में भेजा गया है और उनका इलाज चल रहा है। इन यात्रियों की हालत स्थिर बताई जा रही है और मौके पर पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू की है। यमुना एक्सप्रेसवे पर यातायात में कुछ समय के लिए रुकावट आई थी, जिसे अब सामान्य किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह अभी भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन वे सभी पहलुओं पर गौर कर रहे हैं और सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं। इस हादसे ने यमुना एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा की चिंता बढ़ा दी है, और लोगों को वाहन चलाते समय सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। पुलिस जल्द ही इस हादसे की पूरी जानकारी सार्वजनिक करेगी।

भारतीय के लिए यूरोपीय वीजा में बढ़ती चुनौती और भारी भरकम शुल्क

नई दिल्ली । भारतीय यात्रियों के लिए यूरोपीय वीजा प्रक्रिया अब पहले से अधिक महंगी और जटिल हो गई है। हाल ही में यूरोपीय संघ ने वीजा शुल्क में वृद्धि कर दी है। जिससे भारतीय नागरिकों पर यात्रा का बोझ तीन गुना तक बढ़ गया है। गरीब और विकासशील देशों के यात्रियों के लिए यह स्थिति और भी कठिन साबित हो रही है। फीस और आवश्यकताओं में बढ़ोतरी के बाद यूरोप के देशों की यात्रा असंभव हो रही है। नई व्यवस्था में आवेदन शुल्क के साथ अतिरिक्त शुल्क भी जोड़े गए हैं। भारतीय यात्रियों को अब वीजा प्रोसेसिंग के लिए लगभग 1900 रुपये और अन्य शुल्क मिलाकर 7600 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं। इसमें सेवाओं की लागत, आवेदन जमा करने की प्रक्रिया और यात्रा बीमा जैसी शर्तें शामिल हैं। यह वृद्धि उन यात्रियों के लिए बड़ी बाधा है, जो यूरोप में पर्यटन, शिक्षा या व्यापार के लिए जाना चाहते हैं। यूरोपीय वीजा प्रणाली की नई नीति गरीब और अमीर देशों के बीच की आर्थिक असमानता को उजागर करने वाली है। गरीब देशों के नागरिकों से अधिक शुल्क लिया जा रहा है। जबकि सुविधा-सम्पन्न देशों के लिए वीजा की प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल और सस्ती है। यह भेदभावपूर्ण है। विकासशील देशों के लिए असमानता को बढा सकता है। वीजा की इस नीति से पर्यटन और व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यूरोपीय देशों को अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने के लिए बाहरी यात्रियों और निवेशकों की आवश्यकता है। बढ़ती फीस और जटिल प्रक्रिया यूरोपीय देशों के हितों के विपरीत प्रतीत है।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा- डिजिटल अरेस्ट का सरकार में कोई प्रावधान नहीं

विकसित भारत में युवाओं की भूमिका अहम

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पसंदीदा कार्यक्रम मन की बात को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लोगों को बार-बार यह समझाना होगा कि सरकार में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है। यह एक खुला झूठ और लोगों को अपने जाल में फंसाने की एक साजिश है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखते हुए युवाओं पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में युवाओं की भूमिका अहम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 24 नवंबर को मन की बात रेडियो कार्यक्रम के 116वें एपिसोड में स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती, एनसीसी दिवस, गयाना यात्रा, लाइब्रेरी आदि विषयों पर अपनी बात रखी। पीएम मोदी ने कहा, कि हमें लोगों को बार-बार यह समझाना होगा कि सरकार में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है। यह खुला हुआ झूठ है और लोगों को अपने जाल में फंसाने की साजिश है। गौरतलब है कि इससे पहले मन की बात कार्यक्रम के 115वें एपिसोड में पीएम मोदी ने डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड से बचने के लिए तीन स्टेप रुको, सोचो और एक्शन लो अपनाने की सलाह दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीसी डे पर कहा कि जब हम एनसीसी का नाम सुनते हैं, तो हमें अपने स्कूल और कॉलेज के दिन याद आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुद एनसीसी कैडेट रहा, इसलिए मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ कह सकता हूं कि उससे मिले अनुभव मेरे लिए अमूल्य हैं। साल 2024 तक एनसीसी से 20 लाख से ज्यादा युवा जुड़े हैं। पहले की तुलना में, 5 हजार नए स्कूलों और कॉलेजों में एनसीसी का प्रावधान है। एनसीसी में पहले लड़कियों की संख्या सिर्फ 25 फीसदी थी, अब यह बढ़कर लगभग 40फीसदी हो गई है, जो एक बड़ा बदलाव है। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना विकसित करती है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा, कि लाल किले की प्राचीर से मैंने ऐसे युवाओं से राजनीति में आने का आह्वान किया है, जिनका पूरा परिवार कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि वाला नहीं है। ऐसे नए एक लाख युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए देश में विशेष अभियान चलाए जाएंगे। विकसित भारत युवा नेता संवाद ऐसे ही प्रयास में शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुयाना यात्रा को याद करते हुए कहा, कि भारत से हजारों किलोमीटर दूर गुयाना में भी एक मिनी इंडिया बसता है।

जगद्गुरु कृपालु महाराज की बड़ी बेटी की सड़क दुर्घटना में मौत

-कार एक्सीडेंट में 02 अन्य बेटियां भी जख्मी

नई दिल्ली। नोएडा के दनकौर इलाके में रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें जगद्गुरु कृपालु महाराज की बड़ी बेटी डॉ. विशाखा त्रिपाठी का दुखद निधन हो गया। इस हादसे में उनकी दोनों अन्य बहनें, श्यामा त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी गंभीर रूप से घायल हो गईं हैं। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार जगद्गुरु कृपालु महाराज की बड़ी बेटी डॉ. विशाखा त्रिपाठी अपनी दोनों बहनों के साथ वृंदावन से दिल्ली एयरपोर्ट जा रही थीं। उन्हें विमान से सिंगापुर जाना था। इसी बीच दनकौर के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी कारों को पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर के बाद डंपर अनियंत्रित हो गया और दूसरी कार से भी टकरा गया। इस भीषण हादसे में 08 लोग घायल हुए हैं। हादसे की सुचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को वाहनों से बाहर निकाला। घायलों को ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल रेफर किया गया। जहां डॉ. विशाखा त्रिपाठी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। यहां बताते चलें कि वृंदावन के प्रेम मंदिर और प्रतापगढ़ के मनगढ़ भक्ति धाम की डॉ. विशाखा त्रिपाठी अध्यक्ष थीं। इसी के साथ जगद्गुरु कृपालु परिषद का वो संचालन भी करती थीं। डॉ विशाखा की बहन श्यामा त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी भी परिषद के अलग-अलग केंद्रों की प्रमुख हैं। इस हादसे पर जगद्गुरु कृपालु परिषद ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सूचना पर घटना स्थल पहुंची पुलिस टीम ने बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद अस्पताल भेजने में जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर चालक की तलाश शुरु कर दी है और हादसे की विस्तृत जांच जारी है।

संभल में सर्वे टीम पर पथराव के बीच दो लोगों की मौत

पुलिस ने किया बल प्रयोग, दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल, 20 पुलिसकर्मी भी हुए घायल

संभल।

संभल की जामा मस्जिद में कोर्ट के आदेश पर रविवार को सर्वेक्षण का कार्य शुरू हुआ, लेकिन इसी बीच कुछ लोगों ने पत्थरबाजी शुरु कर दी जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने आंसू गैस के गोले दागे और बल प्रयोग किया। इस घटना में 20 से ज्यादा पुलिसकर्मी और दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। दो लोगों की मौत की भी खबर मिल रही है। जानकारी के मुताबिक 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है और हिंसा की जांच शुरू कर दी गई है। कुछ लोगों ने सड़क किनारे खड़ी बाइकों में आग लगाने की भी कोशिश की। स्थानीय कोर्ट के आदेश पर गत मंगलवार को जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था जिसके बाद से संभल में पिछले कुछ दिनों से तनाव व्याप्त है। कोर्ट में एक याचिका दाखिल करके दावा किया गया है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद है वहां पहले हरिहर मंदिर था। प्रशासन के मुताबिक विवादित स्थल पर कोर्ट के आदेश के तहत एडवोकेट कमिश्नर ने दूसरी बार सर्वेक्षण कार्य सुबह सात बजे शुरू किया और इस दौरान भीड़ जमा होने लगी। पुलिस ने कहा कि घटनास्थल के पास एकत्रित भीड़ में से कुछ उपद्रवी बाहर आए और उन्होंने पुलिस दल पर पथराव कर दिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण करने बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस ने कहा कि ड्रोन, सीसीटीवी फुटेज से लोगों की पहचान की जाएगी। पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं जिनमें से एक-दो पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पथराव करने वालों और उन्हें उकसाने वालों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नतीजों से निराश मायावती की घोषणा- अब कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी बीएसपी

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने उपचुनाव के नतीजों पर निराशा जताते हुए बड़ा ऐलान किया है। मायावती ने कहा कि बैलट से धांधली तो होती ही थी अब ईवीएम से भी धांधली होने लगी। इसलिये बसपा देश के अब कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी। यूपी की पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर हुए चुनाव और फिर उसके नतीजे के बाद लोगों में ईवीएम को लेकर चर्चा है। पहले देश में बैलेट पेपर के जरिए चुनाव जीतने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करके फर्जी वोट डाले जाते थे। अब तो ईवीएम के जरिए भी यह कार्य किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए चिंता की बात है। मायावती ने कहा कि ये हमारे देश और लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। ऐसी स्थिति में अब हमारी पार्टी ने ये फैसला लिया है कि जब तक देश में फर्जी वोटों को डालने से रोकने के लिए देश के चुनाव आयोग द्वारा कोई सख्त कदम नहीं उठाए जाते हैं, तब तक हमारी पार्टी देश में अब कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी। हालांकि बसपा सुप्रीमो ने यह स्पष्ट किया कि वह यह फैसला केवल उपचुनाव को लेकर कर रही हैं। उनकी पार्टी लोकसभा, विधानसभा और निकाय चुनावों में पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी। मायावती ने कहा कि आम चुनाव में सत्ता परिवर्तन की उम्मीद होती है, जिस वजह से धांधली नहीं हो पाती है। लेकिन उपचुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग होता है। गौरतलब है कि जो बसपा एक वक्त पर उत्तर प्रदेश में सबसे मजबूत वोट बैंक वाली पार्टी मानी जाती थी, उसका वोट बैंक पूरी तरह से बिखर चुका है। 9 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव में कुंदरकी में 1036, मीरापुर में 3248, करहल में 8409 और सीसामऊ में महज 1500 वोट ही पार्टी प्रत्याशियों को मिले। बता दें कि फूलपुर में पार्टी प्रत्याशी ने काउंटिंग के दौरान गंभीर आरोप लगाए थे।

सांप कभी न कभी तो आप पर जहर उगलेगा ही, ऐसे लोगों से रहें सावधान

-राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने एक कार्यक्रम में विरोधियों पर कसा तंज

झालावाड़।

राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और क्षेत्रीय सांसद और उनके पुत्र दुष्यंत सिंह झालावाड़ पहुंचे। जहां उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा की और विकास कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। वहीं, देर शाम पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने झालरापाटन नगर पालिका द्वारा स्थापित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 14 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस मौके पर राजे ने अपने विरोधियों को जमकर आड़े हाथों लिया और उन्हें हद में रहने की नसीहत दी। इशारों ही इशारों में वसुंधरा राजे ने विरोधियों पर तंज भी कसा जिसके अब कई मायने निकाले जा रहे हैं। महाराणा प्रताप की प्रतिमा के लोकार्पण पर राजे ने आमजन से छल करने वाले लोगों से सावधान रहने को कहा। उन्होंने कहा कि सांप का स्वभाव ही कुछ विचित्र होता है उसे कितना भी प्रेम कर लो, वह अपने स्वभाव के अनुरूप कभी न कभी तो आप पर जहर उगलेगा ही। ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरुरत है उन्होंने कहा कि आजकल लोग पीठ में छुरा घोंपने में माहिर हैं।

उन्होंने अपने विरोधियों पर पलटवार करते हुए कहा कि बादल कुछ देर तो सूरज के आगे आकर उसे अदृश्य कर सकते हैं, लेकिन ज्यादा समय तक सूरज की रोशनी को रोकने का सामर्थ्य उनमें नहीं होता। उन्होंने महाराणा प्रताप को याद करते हुए कहा कि समय का चक्र जब घूमता है तो महल में मखमल पर सोने वाले राजाओं को भी जंगल में कांटो के बिस्तर पर सोना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें महाराणा प्रताप का जीवन यही सिखाता है कि विकट परिस्थिति में भी जो हार नहीं मानते हैं, जीत उन्हीं की होती है. जो सुख में प्रसन्न और संकट में डर कर झुक जाते हैं, उन्हें न तो सफलता मिलती और न ही इतिहास उन्हें याद रखता है।

उन्होंने कहा कि हमें डरने की जरूरत नहीं हम जिस चीज के लिए लड़ रहे हैं अगर वह सही है तो हमें सर झुकाने की कोई जरूरत नहीं।

उन्होंने कहा कि 24 घंटे लगातार अपने लक्ष्य के लिए लड़ते रहो आपका काम हो जाएगा। प्रदेश में बीजेपी सरकार बनने के बाद से ही राजे अपने विरोधियों और बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से नाराल चल रही हैं। ऐसे में बीजेपी की कई बैठकों में उनकी अनुपस्थित देखी गई है। वहीं सार्वजनिक मंच से उनके द्वारा कई बार तल्ख टिप्पणियां भी की जाती रही है। उनके द्वारा कुछ दिन पहले लोगों को पीतल मिलने पर अपने आप को सर्राफ समझने वाले बयान ने राजस्थान की राजनीति में भूचाल ला दिया था। ऐसे में दुश्मन के आगे सर कटा लो लेकिन सर मत झुकाओ का बयान अब चर्चा में है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महान वैज्ञानिक -जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर

(लेखक - संजय गोस्वामी)

जन्मतिथि 25 नवंबर पर विशेष)

जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर का जन्म 25 नवंबर 1814 को हीलब्रोन , वुर्टेमबर्ग जर्मन में हुआ था, वे एक फार्मासिस्ट के बेटे थे।वुर्टेमबर्ग जो नेकर नदी के किनारे एक छोटा सा शहर है, जो एक मेडिकल आदमी मेयर जो रॉबर्ट के नाम से जाने जाते थे उन्होंने पास के ट्यूबिंगन विश्वविद्यालय में मेडिकल स्कूल में पढ़ाई की, और हीलब्रॉन में अभ्यास करने से पहले, उन्होंने ईस्ट इंडीज की एक साल की डच यात्रा के लिए जहाज के डॉक्टर के रूप में हस्ताक्षर करके दुनिया को देखने का फैसला किया। कई बुखार से पीड़ित नाविकों के रक्तपात में लगे रहने के दौरान, उन्होंने देखा कि उनकी नसों में खून सामान्य से बहुत ज्यादा लाल था, लगभग धमनी के खून जितना लाल, यह दर्शाता है कि शिरापरक रक्त में सामान्य से ज्यादा ऑक्सीजन थी। इस मामले पर विचार करते हुए, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि यदि रक्त में ऑक्सीजन का उद्देश्य भोजन के ऑक्सीकरण के माध्यम से शरीर को गर्मी प्रदान करना है, तो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में लोगों को कम शारीरिक गर्मी की आवश्यकता होगी, और इसलिए वे कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हैं । और इसने मेयर को यह निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित किया कि प्रकृति में गर्मी को संरक्षित किया जाना चाहिए, कि शरीर द्वारा उपयोग की जाने वाली ऑक्सीजन आवश्यक गर्मी के अनुपात में होनी चाहिए।1840 का दशक ऊष्मागतिकी के इतिहास में एक अद्भुत दशक था, क्योंकि कई वैज्ञानिकों ने, काफी स्वतंत्र रूप से, ऊर्जा के संरक्षण के सिद्धांत की खोज की थी। दरअसल, उन्होंने ऊर्जा की अवधारणा की खोज की, और फिर यह कि ऊर्जा एक ऐसी मात्रा है जो सभी अंतर्क्रियाओं में संरक्षित रहती है। जेम्स जूल की तरह ऊर्जा के संरक्षण के विचार पर ठोकर खाने वाले ज्यादातर लोग गणितीय या प्रायोगिक भौतिक विज्ञानी थे। थर्मोडायनामिक्स के प्रथम नियम के कई स्वतंत्र खोजकर्ताओं में से पहले के रूप में सभी पाठ्यपुस्तकों में शामिल हैं।जर्मन चिकित्सक और भौतिक विज्ञानी जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर का निधन 20 मार्च, 1878, को 63 वर्ष की आयु में हो गया । लेकिन थर्मो डायनामिक्स में शोध के लिए आज भी लोग याद करते हैं।

मेयर हेलब्रॉन लौटने पर, मेयर ने इस मामले को आगे बढ़ाया, और उन्होंने 1841 में ऊष्मा के संरक्षण पर एक पेपर लिखा, जिसे उन्होंने एनालेन डेर फिजिक को भेजा, जिसे संपादक ने जाहिर तौर पर इतना विचित्र माना कि उन्होंने जवाब देने या पांडुलिपि वापस करने की भी जहमत नहीं उठाई। ऐसा लगता है कि मेयर ने इसे इस बात का संकेत माना कि उनके पहले पेपर में सटीकता की कमी थी, जो कि निश्चित रूप से थी, और उन्होंने दूसरा पेपर लिखा, जिसे उन्होंने एनालेन डेर केमी अंड फ़ार्मेसी को भेजा, और यह 1842 में प्रकाशित हुआ। इसका शीर्षक इस प्रकार है- निर्जीव प्रकृति की शक्तियों पर टिप्पणी। इसमें, मेयर ने पहली बार कहीं भी, उस चीज़ की गणना की जिसे बाद में ऊष्मा का यांत्रिक समतुल्य कहा जाएगा; उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि 365 मीटर की दूरी पर गिरने वाला और ज़मीन से टकराने वाला भार उसके तापमान को 1 डिग्री सेल्सियस बढ़ा देगा। उन्होंने तर्क दिया कि ऊष्मा और गति एक ही मात्रा की अलग-अलग अभिव्यक्तियाँ हैं, जिसे हम अब ऊर्जा कहते हैं।

हालाँकि यह शोधपत्र प्रकाशित हुआ था, लेकिन जर्मनी में इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली और वास्तव में कई मौकों पर इसकी कड़ी आलोचना की गई। जूल ने अपना पहला शोधपत्र अगले वर्ष, 1843 में ऊष्मा के यांत्रिक मूल्य पर लिखा, जो मेयर के काम से पूरी तरह अनभिज्ञ था। मेयर ने एक चिकित्सक के रूप में अभ्यास करना जारी रखा और ऊर्जा विषयों पर कई और शोधपत्र लिखे, जब उन्होंने देखा कि जूल को ऊष्मा के यांत्रिक समतुल्य की खोज का श्रेय दिया जा रहा है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। उनका जीवन ढलान पर चला गया; 1848 में बीमारी के कारण उनकी दो छोटी बेटियाँ मर गईं; उन्होंने 1850 में तीसरी मंजिल की खिड़की से खुद को फेंककर आत्महत्या करने की कोशिश की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं लेकिन मौत नहीं हुई; और कई साल बाद, वे विक्षिप्त हो गए और उन्हें एक मानसिक संस्थान में भर्ती होना पड़ा। वे धीरे-धीरे ठीक हो गए और चिकित्सा पद्धति में लौट आए, लेकिन वे ऊर्जा संरक्षण पर अपने काम पर कभी वापस नहीं लौटे। उनका काम हमेशा के लिए पहचाना नहीं जा सकता था।

जॉन टिंडल, एक सम्मानित भौतिक विज्ञानी, सामान्य रूप से जेम्स जूल से चिढ़ गए थे, और अधिक विशेष रूप से, जूल के ऊर्जा के संरक्षण की खोज करने के दावे से (उस समय तक इसे ऊष्मागतिकी के पहले नियम के रूप में जाना जाता था), और वे जूल के समर्थकों से भी नाराज़ थे, जैसे कि विलियम थॉमसन और बाद में लॉर्ड केल्विन उनसे नाराज थे । टिंडल ने जाहिर तौर पर मेयर के काम के बारे में सुना था, और 1862 में, उन्होंने अपने जर्मन सहयोगी, रुडोल्फ क्लॉसियस को मेयर के बारे में पूछते हुए लिखा; क्लॉसियस ने शुरू में जवाब दिया कि मेयर के काम में कुछ भी महत्वपूर्ण होने की संभावना नहीं है, लेकिन फिर उन्होंने 1842 के पेपर को करीब से देखा और महसूस किया कि मेयर वास्तव में मामले के मूल तक पहुँच गए थे, और उन्होंने टिंडल को बताया कि मेयर ने ऊर्जा के संरक्षण पर एक शानदार पेपर लिखा है, और उन्होंने जूल से पहले ऐसा किया था, और उन्होंने पेपर की एक प्रति भेजी। इसके बाद टिंडल ने 1862 में लंदन में रॉयल इंस्टीट्यूशन में एक व्याख्यान दिया और ब्रिटिश भौतिकविदों के समुदाय के लिए बड़ी चिंता की बात थी कि मेयर ऊष्मागतिकी के पहले नियम के खोजकर्ता थे। टिंडल ने मेयर के बारे में कहा- यह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति था जो चुपचाप काम कर रहा था, केवल अपने विषय के प्रति प्रेम से प्रेरित था, और उन लोगों से कुछ समय पहले सबसे महत्वपूर्ण परिणामों पर पहुँच गया था जिनका जीवन पूरी तरह से प्राकृतिक दर्शन यानी, जूल और थॉमसन के लिए समर्पित था। लगभग तुरंत ही, मेयर के 1842 के जर्मन पेपर का अंग्रेजी में अनुवाद किया गया और उसी वर्ष बाद में फिलोसोफिकल मैगज़ीन , लंदन, एडिनबर्ग और डबलिन फिलोसोफिकल मैगज़ीन में प्रकाशित किया गया। इस पेपर पर हाल ही में काफी ध्यान दिया गया है, क्योंकि वह बल की अविनाशीता के सिद्धांत और विशेष रूप से ऊष्मा और कार्य की तुल्यता के विचार के शुरुआती प्रवर्तकों में से एक हैं, इसलिए फिलोसोफिकल मैगज़ीन के कई पाठकों को इस विषय पर उनके सबसे शुरुआती प्रकाशन को पढ़ने में रुचि होगी, और फिर पाठक को टिंडल के व्याख्यान का संदर्भ देते हैं, जो उसी पत्रिका के पिछले अंक में कई महीने पहले प्रकाशित हुआ था।जे.आर. मेयर, लंदन, एडिनबर्ग और डबलिन फिलॉसॉफिकल मैगज़ीन, सीर. 4, खंड 24, 1862 के अंक में (लिंडा हॉल लाइब्रेरी) द्वारा अकार्बनिक प्रकृति की शक्तियों पर टिप्पणी पर शोधपत्र प्रकाशित हुआ।

इस प्रकार मेयर को काफी प्रतिष्ठा फिजिक्स के फील्ड में मिली । उन्हें रॉबर्ट वॉन मेयर नाम का उपाधि से उन्हें सम्मानित किया गया, और 1878 में उनकी मृत्यु के समय तक, वे एक राष्ट्रीय नायक थे। और वे अभी भी दक्षिणी जर्मनी में एक प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्ति भी हैं। उनके गृह नगर हीलब्रॉन के शहर के चौराहे पर उनके सम्मान में एक सुंदर कांस्य प्रतिमा लगी है। और अब वे थर्मोडायनामिक्स के प्रथम नियम के कई स्वतंत्र खोजकर्ताओं में से पहले के रूप में सभी पाठ्यपुस्तकों में शामिल हैं।जर्मन चिकित्सक और भौतिक विज्ञानी जूलियस रॉबर्ट वॉन मेयर का निधन 20 मार्च, 1878, को 63 वर्ष की आयु में हो गया । लेकिन थर्मो डायनामिक्स में शोध के लिए आज भी लोग याद करते हैं।

हालाँकि यह शोधपत्र प्रकाशित हुआ था, लेकिन जर्मनी में इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली और वास्तव में कई मौकों पर इसकी कड़ी आलोचना की गई। जूल ने अपना पहला शोधपत्र अगले वर्ष, 1843 में ऊष्मा के यांत्रिक मूल्य पर लिखा, जो मेयर के काम से पूरी तरह अनभिज्ञ था। मेयर ने एक चिकित्सक के रूप में अभ्यास करना जारी रखा और ऊर्जा विषयों पर कई और शोधपत्र लिखे, जब उन्होंने देखा कि जूल को ऊष्मा के यांत्रिक समतुल्य की खोज का श्रेय दिया जा रहा है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ।

संपादकीय

सतर्कता है जरूरी

देश में डिजिटल अरेस्ट व साइबर ठगी के बढ़ते फॉड को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बड़ा एक्शन लिया है। मंत्रालय के ही आई4सी विंग के निर्देश पर सत्रह हजार मेटा माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म वाट्सएप अकाउंट ब्लॉक किये हैं। ये नंबर कंबोडिया, म्यांमार, लाओस व थाईलैंड से एक्टिव थे। गृह मंत्रालय ने जांच में पाया कि डिजिटल अरेस्ट करने वाले जालसाजों के इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड का ठिकाना यही देश हैं। इस पैसे को दुबई तथा वियतनाम में एटीएम के जरिए निकाला जाता है। लोगों ने ऑनलाइन कंप्लेंट करके चेक रिपोर्ट सस्पेक्ट पर दर्ज कराई थी। कंबोडिया, वियतनाम और म्यांमार में बैठे अपराधी भारतीय नंबर वाला सिम कार्ड अपने एजेंटों के माध्यम से मंगाते हैं। कंबोडिया व म्यांमार भेजे गए पैंतालिस हजार सिम काडरे को भारतीय एजेंसियों ने निष्क्रिय किया है। ऑनलाइन स्कैम व अन्य अवैध गतिविधियों में भारतीयों की भी मिलीभगत पाई गई है। कंबोडिया में नौकरी के अवसरों के लोभ में झूठे वादों के चक्कर में आकर भारतीय नागरिक मानव तस्करी के जाल में भी फंसते पाए जा रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का नया तरीका है। इसमें सीबीआई, ईडी का अधिकारी या पुलिस अधिकारी के तौर पर अपना परिचय देकर ऑडियो/वीडियो कॉल के मार्फत पीड़ितों को जाल में फंसाया जाता है। उन्हें धमकियां देकर ऑनलाइन पैसा ट्रांसफर कराया जाता है। लोगों का विश्वास जीतने के लिए स्कैमर्स सोशल इंजीनियरिंग की मदद लेते हैं। बदनामी के डर या मखौल उड़ाए जाने से भयभीत पीड़ित आम तौर पर ठगी की शिकायतें भी करने से अचकचाते हैं। बीते दस महीनों में ही डिजिटल अरेस्ट के नाम पर स्कैमर्स ने इक्कीस हजार करोड़ रुपये की ठगी की है। जनवरी-अक्टूबर के दरम्यान 92 हजार से ज्यादा डिजिटल अरेस्ट के मामले दर्ज किए जा चुके हैं। सरकार ने साइबर फ्रॉड के लिए नेशनल हेल्पलाइन जैसे नंबर जारी करने जैसे कदम उठाए हैं। जरूरत सतर्क बने रहने की है। अनजान कॉल को काटने, ब्लॉक करने और जरूरत पड़ने पर उसकी शिकायत करने को आदत बनाना होगा।

नारे जीते ,मुद्दे हारे ,दिन में दिखे आसमान के तारे

(लेखक - राकेश अचल)

7 महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा के चुनावों के साथ ही तमाम उप चुनावों के नतीजे आपके सामने हैं । हारी और जीती हुई पार्टियाँ तथा गठबंधन इन चुनाव परिणामों की अपने ढंग से व्याख्या कर रहे हैं ,लेकिन लब्बो-लुआब ये है कि इन तमाम चुनावों में नारे जीत गए और मुद्दे हार गए। ये बात महाराष्ट्र पर भी लागू होती है ,झारखंड पर भी और उत्तर प्रदेश पर भी। और नारा धारदार निकला उसका बेडा पार हो गया और जिसका नारा मोथरा साबित हुआ उसकी नाव डूब गयी।

बात शुरू करते हैं महाराष्ट्र से । महाराष्ट्र सचमुच राष्ट्र से बड़ा सूबा साबित हुया। सभी को लग रहा था कि महारष्ट्र में महायुति की सरकार नहीं बनेगी ,लेकिन चुनाव परिणामों ने सभी को चौंका दिया। बाबा आदित्यनाथ के नारे बटोगे तो कटोगे के नारे का विरोध करने वाले भाजपा और एएनसीपी के नेता तक हतप्रभ हैं कि ये कमाल का नारा कैसे साबित हुआ। मोदी का नारा एक रहोगे तो सेफ रहोगे उतना नहीं चला जितना की योगी का नारा चला। भाजपा और संघ के नारे खूब चले। इन नारों ने एक बार फिर मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और महाराष्ट्र में महायुति की अखन,प्रचंड और मुचंड विजय ने ये साबित कर दिया है कि हमारी जनता मुद्दों पर फैसला करना भूल गयी है।

नारों का जो असर महाराष्ट्र में हुआ ,वो ही असर झारखंड में भी हुआ,लेकिन वहां भाजपा के नहीं झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के नारे चले। झामुमो के नारों में आदिवासियत कूट-कूटकर भरी थी। संघ और भाजपा के नारे इस आदिवासियत का कवच भेद नहीं पाए इसीलिए परिणाम भाजपा के पक्ष में नहीं आये। झारखंड में झामुमो की विजय से एक बार फिर भाजपा का ही नहीं बल्कि भाजपा की विपुल सम्पदा को लूटने के लिए आतुर बैठे ए-1 और ए-2 का सपना भी बिखरा है। आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा सराय काले खान पर उनका नाम चस्पा किये जाने से झांसे में नहीं आये।

इन दो विधानसभा चुनावों के परिणामों से एक बात और प्रमाणित हुई है कि यदि सत्तारूढ़ दल के हाथ में मशीनें या मशीनरी हों तो चुनाव परिणामों को बदला जा सकता है। भाजपा के हाथ में महाराष्ट्र में मशीन और मशीनरी दोनों थे इसलिए अप्रत्याशित परिणाम मिले। झारखण्ड में झामुमो के पास मशीनें नहीं थीं किन्तु मशीनरी थी जो उनके काम आयी और झारखण्ड की सत्ता खंड-खंड होने से बच गयी। यहाँ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी का नारा चला। आदिवासी एक रहे तो सेफ रहे। महाराष्ट्र में हिन्दू बटे नहीं, सो कटे नहीं। कहीं योगी जी का नारा चला तो कहीं अमित शाह की जुगत। शाह साहब ने महाराष्ट्र में यदि भाजपा को ज्यादा सीटों पर न लड़ाया होता तो शायद ये परिणाम नहीं आते।

अब बात उप चुनावों की कर लेते हैं। उपचुनावों में सबसे ज्यादा दिलचस्प उपचुनाव उत्तर प्रदेश विधानसभा के थे । यूपी में 9 सीटों में से 7 सीटें भाजपा ने जीतकर लोकसभा चुनाव में हुए घाटे की भरपाई करने की कोशिश की है ,यहां आईएनडीए गठबंधन ही नहीं बल्कि समाजवादी पार्टी और उसका पीडीए का फार्मूला भी बुरी तरह से हारा। मध्यप्रदेश में 2 सीटों में से भाजपा को एक सीट गंवाना पड़ी ,क्योंकि इन चुनावों में भाजपा की गुटबाजी खुलकर सामने आय। केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया उपचुनावों से नदारद रहे। केरल में कांग्रेस को वायनाड लोकसभा सीट जीतना थी सो उसने जीतकर दिखा दी।

राजस्थान में मुख्यमंत्री भंवरलाल शर्मा ने विधानसभा की 7 में से 5 सीटें जीतकर सप्लीमेंट्री परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। बिहार में 4 की 4 सीटें एनडीए गठबधन ने जीतकर साबित कर दिया की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की किस्मत अभी उनका साथ दे रही है। पंजाब में भी आमआदमी पार्टी और कांग्रेस ने भाजपा को पांव रखने की जगह नहीं दी और सभी चारों सीटें जीत लीं। यानि आप की पकड़ पंजाब में ढीली नहीं कर पायी भाजपा या आरएसएस। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को भी 6 सीटें मिल ही गयीं। नादेड भी कांग्रेस को अंततोगत्वा मिल ही गयी।

अगहन के महीने में हुए इन तमाम चुनावों के नतीजे बताते हैं कि भाजपा न अभी कांग्रेस को निर्मूल कर पायी है और न ही इन नतीजों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर लगे प्रश्नचिन्ह ही हटे हैं। मोदी को एक दिन बाद संसद में विपक्ष के हमलों का सामना करना पड़ेगा । हालाँकि इन चुनाव परिणामों से सत्तारूढ़ दल की यानि मोदी जी की ढाल मजबूत हुई है। वे विपक्ष के वार तो झेल जायेंगे लेकिन देश कोआशवस्त नहीं कर पाएंगे कि वे ए-2 के पीछे नहीं खड़े हैं। जमाना बदल गया है अन्यथा यदि आज सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रपति होते तो वे मोदी जी को दही-शक्कर न खिला रहे होते, वे मोदी जी को पद छोड़ने की सलाह देते। क्योंकि देश की राजनीति को मुद्दों से भटकाने के सबसे बड़े अपराधी मोदी जी ही है। वे ही जनता की प्रतिकार शक्ति को खा गये । उन्होंने ही मुद्दों के ऊपर नारे लाद दिए या लदवा दिए। नारों के मकड़जाल से देश जब बाहर निकलेगा तब निकलेगा । तब तक मै सभी दलों के जीते हुए प्रत्याशियों को ,उनके नेताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ। मेरी संवेदनाएं हारे हुए तमाम प्रत्याशियों और उनके नेताओं के प्रति भी हैं।

(चिंतन-मनन)

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अत- अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

विचार मंथन

चुनाव नतीजों से उत्साहित प्रधानमंत्री के मन की बात...

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे भारतीय जनता पार्टी के लिए खुशहाली का संदेश लेकर आए हैं। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी खासे खुश नजर आ रहे हैं। ऐसा होना भी चाहिए क्योंकि सालों की मेहनत के बाद पिछले पांच माह की सियासी जमावट ने अपना खेला जो कर दिखाया है। महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को एक चरण में हुए मतदान के परिणाम 23 नवंबर को घोषित कर दिए गए। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच था। महायुति जिसमें भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल रहे जबकि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) शामिल थे। चुनाव नतीजों के मुताबिक महायुति को 230 सीटों पर जीत हासिल हुई जो कि पूर्ण बहुमत वाले जादुई आंकड़े से बहुत ज्यादा है। दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी को महज 48 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। दूसरी तरफ झारखंड विधानसभा चुनाव नतीजों की बात करें तो यहां पर इंडिया गठबंधन को कुल 81 सीटों में से 56 सीटों पर जीत हासिल हुई है, जबकि एनडीए गठबंधन को महज 24 सीटों से संतोष करना पड़ा है। इस स्थिति में यदि झारखंड नतीजों पर ज्यादा ध्यान न दें तो भाजपा के लिए यह समय हर हाल में बल्ले-बल्ले करने जैसा है। महाराष्ट्र चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री मोदी आनंदित हैं, जिसकी झलक उनके पसंदीदा रेडियो कार्यक्रम मन की बात में दिखी है। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात रेडियो कार्यक्रम के 116वें एपिसोड में स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती, एनसीसी दिवस, गयाना यात्रा, लाइब्रेरी आदि अनेक विषयों पर देश की आमजनता के समक्ष अपनी बात रखी। ऑन लाइन फॉड और डिजिटली अरेस्ट जैसे मामलों को लेकर वो खासे गंभीर दिखे हैं। ऐसे में वो कह सके हैं कि हमें लोगों को बार-बार यह समझाना होगा कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान सरकार में है ही नहीं। इससे पहले 115वें एपिसोड में जब उन्होंने मन की बात की थी तो डिजिटल अरेस्ट जैसे फॉड से बचने के उपाय बताए थे और लोगों को जागरुक करने की सलाह दी थी, लेकिन इस बार उन्होंने देश को स्पष्ट संदेश दे दिया कि डिजिटली अरेस्ट जैसा कुछ भी शासन-प्रशासन में कोई प्रावधान ही नहीं है, जिसके नाम पर ठग जाल में फंसा लोगों से अच्छी खासी रकम ऐंठ लेते हैं। देश में ऑन लाइन फ्रॉड एक बड़ी समस्या बन चुकी है। आए दिन इसकी शिकायतें होती हैं, लेकिन मसले का हल ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हो रहा है। इसके लिए वाकई ऐसे युवाओं को आगे आने की आवश्यकता है जो इस फील्ड में मास्टरी रखते हैं और जो ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ भी हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे युवाओं को सरकार रोजगार देने और उनके बेहतर भविष्य के लिए क्या करने जा रही है, क्योंकि बेहतर कार्य करने के लिए आर्थिक रुप से सक्षम होना भी जरुरी होता है। राजनीति में लाकर उनका यूज ही किया जा सकता है, लेकिन खुद उनकी अपनी योग्यता के अनुसार काम मिलना भी तो सरकार की ही जिम्मेदारी होती है। सोचने वाली बात तो यह भी है कि आर्थिक विपन्ता वाला व्यक्ति कितना भी काबिल और ईमानदार क्यों न हो, लेकिन उसे परिवार व समाज में वह जगह हासिल नहीं हो सकती है जो एक धनवान को हो जाती है। यह हमारे देश और सभ्य समाज का सबसे बड़ा कड़वा सच है। अब पूंजीपति ही देश की दशा और दिशा तय करने वाले माने जा रहे हैं। आरोप तो यहां तक लगते हैं कि चंद अमीर घराने सरकार भी चलाने का काम कर रहे हैं। इनके लाभ और हानि को देखते हुए ही सरकारें नीति निर्धारित करती हैं और फैसले लेती हैं। यह बात दिल को चुभने वाली जरुर है, लेकिन इसे गलत साबित करने के लिए कोई ठोस कदम न तो शासन-प्रशासन द्वारा उठाए गए हैं और न ही ऐसे कोई निर्णय ही सामने आए हैं, जिससे कहा जा सके कि सरकार पूंजीपतियों की नहीं गरीब आमजन की है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी जिस आत्मविश्वास के साथ मन की बात रखते हैं उम्मीद है कि उसी आत्मविश्वास के साथ देश का युवा प्रगति के पथ पर न सिर्फ खुद अग्रसर होगा बल्कि संपूर्ण देश को इसका हामी बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगा। समझने वाली बात तो यह भी है कि किसी एक गांव, शहर या प्रांत के धनवान हो जाने से संपूर्ण देश समृद्ध हो जाएगा, ऐसा तो कतई नहीं हो सकता है, इसके लिए वाकई सबका साथ सबका विकास की आवश्यकता आज भी है। अंतिम से अंतिम पंक्ति में बैठे अंतिम व्यक्ति तक जब तक विकास की धारा नहीं पहुंच जाती सरकारों के तमाम दावे बेमानी और खोखले साबित होते रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हुंडई मोटर नॉर्थ अमेरिका ने 42,000 से ज्यादा वाहनों को वापस बुलाया

न्यूयॉर्क । हुंडई मोटर नॉर्थ अमेरिका ने एक बयान जारी करके घोषणा की कि वे 42,000 से अधिक वाहनों को वापस बुलाने जा रहे हैं। इस निर्णय का मुख्य कारण एक वायरिंग समस्या है, जो इन वाहनों के रोलिंग को खतरे में डाल सकती है। अमेरिकी नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन की जानकारी अनुसार इस समस्या को 2025 हुंडई सेंटा और हुंडई टक्सन मॉडल्स में पाया गया है। इन वाहनों में एक गंभीर ट्रांसमिशन दोष है जिसके कारण ये वाहन बिना ब्रेक पैडल दबाए पार्क मोड से बाहर शिफ्ट हो सकते हैं। जिससे दुर्घटना होने की संभावना है।

पीजी इलेक्ट्रो प्लास्ट के शेयर ने निवेशकों को किया मालामाल

- 1 लाख रुपये लगाने वाला भी बना करोड़पति

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज और प्लास्टिक मोल्डिंग सेक्टर की कंपनी पीजी इलेक्ट्रो प्लास्ट के शेयर ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पांच साल पहले इस शेयर की कीमत केवल 3.77 रुपये थी, जो अब बढ़कर 680 रुपये हो गई है। ऐसा नहीं है कि इस मल्टीबैगर स्टॉक ने केवल लॉन्ग टर्म में ही शानदार रिटर्न दिया है, पिछले छह महीनों में ही इसकी कीमत में 187 फीसदी का इजाफा हो चुका है। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट, कंज्यूमर ड्यूरेबल और इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग सेवाएं देती है। 2003 में स्थापित यह कंपनी ओरिजिनल डिजाइन मैन्युफैक्चरिंग, ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग और प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी के ग्राहकों में बीपीएल, बजाज इलेक्ट्रिकल्स, ऐसर, ब्लूस्टार, गोदरेज, हैवल्स, लॉयड, एलजी, हुंडई, रिलायंस डिजिटल, व्हर्लपूल और वोल्टास जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कंपनी 45 से अधिक भारतीय और वैश्विक ब्रांड्स को अपनी सेवाएं देती हैं। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट का शेयर 22 नवंबर 2024 को 683.85 रुपये पर बंद हुआ। 22 नवंबर 2019 को इसकी कीमत मात्र 3.77 रुपये थी। इस तरह पांच साल की अवधि में इस मल्टीबैगर शेयर ने 18,039 फीसदी का रिटर्न दिया। पिछले एक महीने में इस शेयर की कीमत में 15 फीसदी का उछाल आया है। पिछले छह महीने में यह शेयर 162 फीसदी तो सालभर में 186 फीसदी उछला है।

जॉन अब्राहम स्पोर्ट्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उतरने को तैयार

मुंबई । अभिनेता जॉन अब्राहम स्पोर्ट्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उतरने को तैयार हैं। कोयंबटूर में इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024 में जॉन ने मोटरस्पोर्ट्स के प्रति अपने जुनून, अपनी टीम गोवा एसेस, भारत में खेल के भविष्य, अपनी मैन्युफैक्चरिंग योजनाओं के साथ अन्य चीजों पर चर्चा की। जॉन ने खुलासा किया, आरपीपीएल (रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड) के मालिक अखिल रेड्डी ने मुझसे संपर्क कर इसके बारे में बात की। मुझे फॉर्मूला-4 का प्रचार करना बहुत पसंद है। मुझे यह अवधारणा बहुत पसंद आई और मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। जॉन ने भारत में मोटर स्पोर्ट्स के भविष्य पर कहा, मुझे लगता है कि मोटर स्पोर्ट्स में भारत को अभी बहुत आगे जाना है। यह एक सुंदर खेल है। हर ट्रैक का एक रन-ऑफ एरिया होता है। मोटर स्पोर्ट्स हमारी सार्वजनिक सड़कों की तरह खतरनाक नहीं हैं। सुरक्षित वातावरण में भाग लेना बहुत अच्छा है। जो माता-पिता चाहते हैं, कि उनके बच्चे मोटर स्पोर्ट्स में भाग लें, उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने हेलमेट बनाने के अपने नए बिजनेस का भी जिक्र किया। इस बारे में उन्होंने कहा, अभी मैं फिल्मों और खेलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मैं हेलमेट निर्माण के बारे में भी सोच रहा हूं। पिछले एक साल से मैं इस परियोजना पर काम कर रहा हूं। मेरा लक्ष्य सुरक्षा पर जोर देना है। मैं चाहता हूं कि मेरा उत्पाद अच्छा दिखे, साथ ही मैं यह भी चाहता हूं कि लोग अपने सुरक्षा गियर को ठीक से बनाए रखने के महत्व को समझें।

वैश्विक रुझान से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी

- महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के नतीजों पर भी बाजार सोमवार को प्रतिक्रिया देगा

मुंबई ।

इस सप्ताह वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के नतीजों पर भी बाजार सोमवार को प्रतिक्रिया देगा। बाजार के` विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों के नतीजे बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण हैं। खासकर महाराष्ट्र जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने एकतरफा जीत दर्ज की है। हालांकि, वैश्विक कारक बाजार के लिए जोखिम पैदा करते रहेंगे। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई को लेकर चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी से रुपये पर दबाव पड़ रहा है, जिससे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से रिकॉर्ड निकासी हो रही है। उन्होंने कहा कि बाजार की दिशा के लिए एफआईआई का प्रवाह महत्वपूर्ण रहेगा। महाराष्ट्र चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन और झारखंड में इंडिया गठबंधन ने अपनी सत्ता बरकरार रखी है। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर का उतार-चढ़ाव भी बाजार को प्रभावित करेगा। वैश्विक स्तर पर पर अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी निवेशकों की धारणा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीडीपी सहित व्यापक आर्थिक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह पर रहेगी, खासकर हाल के समय की उनकी बिकवाली को देखते हुए।

अमेरिकी भागीदार के साथ नई इलेक्ट्रिक बाइक बना रही हीरो मोटोकॉर्प

- नई इलेक्ट्रिक बाइक मध्यम वजन खंड में आएगी

नई दिल्ली ।

हीरो मोटोकॉर्प अपनी अमेरिकी भागीदार जीरो मोटरसाइकिल्स के साथ एक नई इलेक्ट्रिक बाइक का विकास कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कैलिफोर्निया की कंपनी जीरो मोटरसाइकिल्स इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और पावरट्रेन में विशेषज्ञता रखती है। सितंबर, 2022 में हीरो मोटोकॉर्प के निदेशक मंडल ने कंपनी में छह करोड़ अमेरिकी डॉलर तक के इक्विटी निवेश को मंजूरी दी थी। वर्ष 2023 में कंपनियों ने प्रीमियम इलेक्ट्रिक बाइक के विकास के लिए सहयोग की घोषणा की थी। हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने एक विश्लेषक कॉल में कहा कि जहां तक ईवी मोटरसाइकिल की बात है तो हम जीरो मोटरसाइकिल्स के साथ साझेदारी में इसका विकास कर रहे हैं, यह मध्यम वजन खंड में आएगी। उन्होंने कहा कि यह अग्रिम चरण में है। हमने अभी तक इसके लिए समयसीमा की घोषणा नहीं की है, लेकिन हम कुछ ऐसा देख रहे हैं जो बहुत दूर नहीं होगा।

एयर इंडिया ने पूर्वोत्तर से अपनी उड़ानें बढ़ाईं

- पिछली सर्दियों की तुलना में 20 अधिक

गुवाहाटी । एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने शीतकालीन कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर के तीन प्रमुख गंतव्यों- गुवाहाटी, अगरतला और इंफाल से उड़ानें बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइन के द्वारा की गई इस घोषणा से यात्रियों की सुविधा में सुधार की उम्मीद है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुवाहाटी से अपने परिचालन को पिछली सर्दियों के 63 से बढ़ाकर 106 साप्ताहिक उड़ानें कर दिया है। यह दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, इंफाल, जयपुर और कोलकाता के गंतव्यों के लिए सीधा संपर्क प्रदान करने में मदद करेगा। एयरलाइन ने गुवाहाटी से 18 घरेलू गंतव्यों और छह अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए वन-स्टॉप संपर्क भी प्रदान करने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने इंफाल में भी उड़ानों की संख्या को बढ़ाकर यात्रा के लिए नई सुविधाएं पेश की हैं। एक एयरलाइन के अधिकारी ने इस सुधार के महत्व को बढ़ाते हुए कहा` कि हमारे बेड़े में अब 90 से अधिक विमान हैं और यह तेजी से बढ़ रहा है। हम उभरते भारतीय शहरों की उभरती जरूरतों का समर्थन करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। इस विस्तार योजना से पूर्वोत्तर के लोगों के लिए सस्ती सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को भी फायदा होगा।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 1,55,603.45 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में भी गिरावट आई। अन्य कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 40,392.91 करोड़ रुपये बढ़कर 13,34,418.14 करोड़ रुपये हो गया। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक को ही हुआ। टीसीएस की बाजार हैसियत 36,036.15 करोड़ रुपये बढ़कर 15,36,149.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 16,266.54 करोड़ रुपये बढ़कर 9,01,866.22 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 16,189.33 करोड़ रुपये बढ़कर 7,90,151.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 13,239.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 5,74,569.05 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 11,508.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,272.93 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,260.11 करोड़ रुपये बढ़कर 8,94,068.84 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 10,709.55 करोड़ रुपये बढ़कर 7,28,293.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस रुख के` विपरीत भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 11,954.24 करोड़ रुपये घटकर 5,62,545.30 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 2,368.16 करोड़ रुपये घटकर 17,13,130.75 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल में सुधार

- मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तेल पूर्वस्तर पर बंद हुए

नई दिल्ली ।

हाजिर बाजार में कीमतें कम होने से मंडियों में आवक घटने की वजह से शनिवार को देश के प्रमुख बाजारों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल के की कीमतों में सुधार देखा गया। सामान्य कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि किसानों के पास अब सरसों का काफी कम स्टॉक बचा है और हाजिर बाजार का दाम कम रहने की वजह से वे मंडियों में कम माल ला रहे हैं। यही हाल सोयाबीन तिलहन का भी है। मंडियों में सोयाबीन के हाजिर दाम कम हैं और सभी जान रहे हैं कि सरकारी खरीद में किसानों की सारी ऊपज खरीदा नहीं जा सकता। ऐसे में जब हाजिर दाम कम हो तो किसानों को उम्मीद है कि सरकार सोयाबीन किसानों के लिए कुछ कदम उठायेगी। इस उम्मीद में वे मंडियों में उपज भी कम ला रहे हैं। यही नजारा कपास के मामले में भी है। सोमवार को विदेशी एक्सचेंजों के खुलने के बाद आगे के रुख के बारे में पता लगेगा। वहीं शे निवार को तेल तिलहन के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 6,550-6,600 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,350-6,625 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 14,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,260-2,360 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,260-2,385 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन

मिल डिलिवरी इंदौर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,400 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 14,000 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 13,000 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,425-4,475 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,125-4,160 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का)-4,100 रुपये प्रति क्विंटल।

मेक्सिको को अमेरिका-कनाडा व्यापार समझौते से बाहर होने का डर

- चीन के पुर्जों को हटाने की तैयारी

मेक्सिको सिटी । मेक्सिको को डर है कि अमेरिका में नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प या कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो उनके देश को अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते से बाहर करने की कोशिश कर सकते हैं। दरअसल मेक्सिको को उत्तरी अमेरिका में चीनी पुर्जों और उत्पादों को पहुंचाने के लिए एक माध्यम के रूप में काम करने पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मेक्सिको की सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी व्यापार समझौते में शामिल न होने की बात से इतना डरी हुई है कि राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि सरकार कंपनियों को चीनी पुर्जों को स्थानीय रूप से निर्मित पुर्जों से बदलने के लिए अभियान चला रही है। हमारे पास चीन से आने वाले इन आयातों को बदलने और उनमें से अधिकांश का उत्पादन मेक्सिको में करने के लिए एक योजना है। उन्होंने कहा कि ये काम मुख्य रूप से मेक्सिको की कंपनियां या उत्तरी अमेरिका की कंपनियां करेंगी। उन्होंने दावा किया कि मेक्सिको 2021 के वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संकट के बाद से इस दिशा में काम कर रहा है और इस काम में कई चुनौतियां हैं।

केन्या में हवाई अड्डा संचालन के लिए कभी नहीं किया समझौता: अदाणी समूह

- परियोजना सेबी के प्रकटीकरण नियमों के दायरे में नहीं आती

नई दिल्ली ।

अरबपति अदाणी के समूह ने कहा कि उसने केन्या के मुख्य हवाई अड्डे के संचालन के लिए कोई समझौता नहीं किया है। केन्या में 30 वर्षों के लिए प्रमुख विद्युत पारेषण लाइनों के निर्माण और संचालन के लिए पिछले महीने हस्ताक्षरित समझौते के बारे में समूह ने कहा कि यह परियोजना सेबी के प्रकटीकरण नियमों के दायरे में नहीं आती, इसलिए इसके रद्द होने पर किसी प्रकटीकरण की आवश्यकता नहीं है। समूह ने शेयर बाजारों द्वारा भेजे गए नोटिसों का जवाब देते हुए यह बात कही। शेयर बाजारों ने समूह के संस्थापक पर अमेरिका में अभियोग लगाए जाने के बाद केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो द्वारा खरीद प्रक्रिया को रद्द करने के बारे में आ रही खबरों की सच्चाई जाननी चाही थी। सौदे के तहत देश के मुख्य हवाई अड्डे का नियंत्रण अदाणी समूह की कंपनी को मिलना था। हवाईअड्डा कारोबार का संचालन करने वाली अरबपति गौतम अदाणी के समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने इस साल अगस्त में हवाई अड्डों के उन्नयन, आधुनिकीकरण और प्रबंधन के लिए केन्या में एक अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी स्थापित की थी। कंपनी ने कहा कि कंपनी उक्त परियोजना के लिए संबंधित प्राधिकरण के साथ चर्चा कर रही थी, लेकिन आज तक न तो कंपनी और न ही इसकी अनुषंगी कंपनियों को (1) केन्या में कोई हवाई अड्डा परियोजना दी गई है, या (2) केन्या में किसी हवाई अड्डे के संबंध में कोई बाध्यकारी या निश्चित समझौता नहीं किया गया है। उसने केन्या द्वारा हवाई अड्डा सौदे को रद्द करने की खबरों की पुष्टि या खंडन नहीं किया।

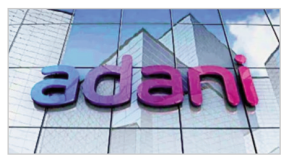

अदाणी समूह की 11 कंपनियों पर अमेरिका में कोई अभियोग नहीं : सीएफओ

- समूह की कोई भी कंपनी अमेरिकी न्याय मंत्रालय द्वारा दायर मामले में प्रतिवादी नहीं

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी जुगेशिंदर सिंह ने समूह पर लगाए गए फर्जीवाड़े के आरोपों का खुलासा` किया है। जुगेशिंदर सिंह ने अदाणी ग्रीन कंपनी से जुड़े अनुबंध को लेकर उठाए गए आरोपों को नकारा और बताया कि समूह की कोई भी कंपनी अमेरिकी न्याय मंत्रालय द्वारा दायर मामले में प्रतिवादी नहीं है। उन्होंने एक एक्स पोस्ट के माध्यम से बताया कि समूह की 11 सार्वजनिक कंपनियों या उनकी सहायक कंपनियों में से कोई भी अमेरिकी न्याय मंत्रालय (डीओजे) द्वारा दायर मामले में प्रतिवादी नहीं है, न ही उन पर गलत काम करने का आरोप है। उन्होंने भी यह जानकारी दी कि समूह ने अपने ऑफरिंग सर्कुलर में संभावित जोखिमों का खुलासा किया था, जिसकी अब तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। सिंह ने कहा कि कुछ असत्य खबरों के चलते उनके खिलाफ सनसनी फैला दिया जा रहा है, और वह कानूनी इलिंग में उल्लिखित मामले की विस्तृत समीक्षा के बाद प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने दुरुपयोग को नकारते हुए कहा कि कोई भी न्यायिक फैसला अब तक नहीं हुआ है और आरोपी को निर्दोष माना जाना चाहिए। वह व्यक्ति समूह ने परिषद की मंजूरी मिलने के बाद अधिक टिप्पणी करने का एलान किया है और उन्होंने भी आलेखिक नई सोच के मामलों पर सार्वजनिक चर्चा करने का आदेश दिया है। अदाणी समूह ने पहले से ही अमेरिकी न्याय मंत्रालय और प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के आरोपों का खंडन किया था।

भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा देगी

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन बढ़ाने और चीन पर निर्भरता घटाने भारत देगा 4-5 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पुर्जों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाई है। इस योजना के तहत सरकार 5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन देने की योजना बना रही है। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग को मजबूत करना और चीन से आयात पर निर्भरता को कम करना है। दो सरकारी अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है।

पिछले छह सालों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 2024 में 115 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसमें एप्पल और सेमसंग जैसी वैश्विक कंपनियों की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ोतरी का बड़ा योगदान है। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्मार्टफोन सप्लायर बन गया है।

यहां तक कि इस सेक्टर की आलोचना इसके पुर्जों के आयात पर भारी निर्भरता के लिए की जा रही है, खासकर चीन जैसे देशों से।

इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने यह योजना तैयार की है। नई योजना से प्रिंटेड सर्किट बोर्ड जैसे मुख्य पुर्जों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा।

इससे घरेलू वैल्यू एडिशन बढ़ेगा और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए स्थानीय सप्लाई चेन मजबूत होगी।

यह योजना अगले 2-3 महीनों में लॉन्च की जा सकती है। इसमें वैश्विक या स्थानीय कंपनियों को 4-5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन देने की उम्मीद है। इस योजना की अंतिम मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय की जल्द ही मंजूरी देने की उम्मीद है। नीति आयोग के अनुसार, भारत का लक्ष्य 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाना है, जिसमें 150 अरब डॉलर के पुर्जों का निर्माण शामिल है। इस योजना के लॉन्च होने पर भारत वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लक्ष्यों को हासिल करने की संभावना है।

सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के प्रमुख अधिकारी ने भी इस योजना की महत्वकांक्षा को साबित करते हुए कहा है कि यह योजना भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मंदी में बड़े लक्ष्यों की ओर अग्रसर कर सकती है।

इसके लिए सरकार ने मुख्य उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई है जिसके तहत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने लॉन्च की विंडसर कार

नई दिल्ली ।

हाल ही में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार विंडसर लॉन्च की है। यह कार एसएआईसी मोटर और जेएसडब्ल्यू ग्रूप का जॉइंट वेंचर है। इस मॉडल विंडसर की शुरुआती कीमत 10 लाख रुपये से कम हो गई है, जो इसे इलेक्ट्रिक कार बाजार में एक किफायती विकल्प बनाता है।

विंडसर को अक्टूबर 2024 में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसमें 20,000 से अधिक बुकिंग्स और 3,000 यूनिट्स की बिक्री हुई। बीएएएस का ऑप्शन 15 प्रतिशत ग्राहकों द्वारा चुना गया, और कंपनी ने अक्टूबर में 4,878 यूनिट्स की बिक्री की, जिससे वह भारत की दूसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार कंपनी बन गई। जेएसडब्ल्यू एमजी की मार्केट शेयर सितंबर में 16.5 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर के पहले 20 दिनों में 34 प्रतिशत हो गई। इस सफलता का कारण कार की सस्ती कीमत और बीएएएस जैसी नई टेक्नोलॉजी है, जो ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक कार को अधिक किफायती बनाती है।

कंपनी का लक्ष्य 2028 तक 60-70 प्रतिशत सेल्स न्यू एनर्जी व्हीकल्स से प्राप्त करना है। जेएसडब्ल्यू एमजी ने इस साल अपने सबसे सस्ते इलेक्ट्रिक मॉडल कॉमेट को भी बीएएएस मॉडल पर पेश किया है, जिससे ग्राहकों को और भी किफायती विकल्प मिल रहे हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी का उद्देश्य 2030 तक इलेक्ट्रिक कार बाजार में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है। इस कार में खास बैटरी एज़ ए सर्विस का विकल्प दिया गया है, जिससे ग्राहक बैटरी खरीदने की बजाय हर किलोमीटर पर औसतन 3.5 रुपये का किराया चुकाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: यशस्वी और विराट के शतकों से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दिया 534 रनों का कठिन लक्ष्य

मेजबानों ने 12 रनों पर ही 3 विकेट खोये

पर्थ (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शानदार शतकों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच पर शिकंजा कस लिया है। यशस्वी के 161 और विराट के 100 रनों की सहायता से भारतीय टीम ने तीसरे दिन टी ब्रेक के बाद अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन पर घोषित कर मेजबान टीम को जीत के लिए 534 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया है। जिसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 4.2 ओवर में ही 12 रनों पर ही दूसरी पारी में अपने तीन विकेट खो दिये थे। अब ऑस्ट्रेलिया के पास दो दिन हैं और वह 522 रन पीछे हैं जबकि उसके पास सात विकेट शेष हैं।

जसप्रीत बुमराह ने दूसरी पारी में भी जबरदस्त गेंदबाजी करते तीन में से दो विकेट लिए। बुमराह ने पहले नैथन मैकस्वीनी को शून्य और मार्नस लाबुशेन को 3 रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। मोहम्मद सिराज ने नाइटवाचमैन के तौर पर आए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को 2 रन पर आउट कराया।

इससे पहले आज भारतीय बल्लेबाजी छाये रहे पहले यशस्वी और उसके बाद विराट ने शतक लगाये। विराट के 100 रन पूरे करते ही कप्तान बुमराह ने पारी घोषित कर दी। तब दूसरे छोर पर नीतिश कुमार रेड्डी में 38 रन बनाकर खेल रहे थे। विराट ने 143 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। जबकि, नीतिश ने 3 चौके और 2 छक्के लगाये।

विराट ने इस शतक के साथ ही एक विदेशी धरती में सबसे अधिक शतक बनाने के सुनील

गावस्कर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उन्होंने इसके अलावा एक देश के खिलाफ 9 शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। तेंदुलकर के श्रीलंका के खिलाफ 9 शतक और ऑस्ट्रेसिया के खिलाफ 11 शतक हैं। गावस्कर के नाम वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 शतक बनाने का रिकॉर्ड है। विराट ने इस मैच में अपना 30वां शतक है और इस प्रकार वह आस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन के 29 शतकों से आगे निकल गए हैं।

भारतीय टीम ने दो विकेट पर 313 रन की मजबूत स्थिति के बाद 18 गेंदों के अंदर ही आठ रन पर तीन विकेट खो दिए थे पर इसके बाद विराट ने वाशिंगटन सुंदर के साथ छठे विकेट के लिए 89 रन और नीतिश कुमार रेड्डी के साथ सातवें विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी कर भारत की कुल बढ़त को 500 के पार पहुंचा दिया। वहीं भारतीय टीम ने दूसरे दिन के कोई विकेट खोए 172 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था।यशस्वी ने दूसरे दिन के अपने 90 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए 297 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 161 रन की बड़ी पारी खेलने के बाद आउट हुए। वहीं केएल राहुल ने 77 रन बनाए।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर रोकने के बाद भारत ने तीसरे दिन 218 रन की बढ़त के आगे खेलना शुरू करते हुए दूसरी पारी में 487 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 535 रन का लक्ष्य रखा है। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से दूसरी पारी में नाथन लायन ने 2 जबकि मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने एक-एक विकेट लिया।

विराट ने 17 महीने बाद शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

पर्थ।भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शतक लगाने के साथ ही एक बार फिर अपना फार्म हासिल किया है।यहां पहली पारी में भी विराट रन नहीं बना पाये थे और केवल 5 रन बनाकर ही जोश हेजलवुड की गेंद पर आउट हुए थे। विराट ने टेस्ट के तीसरे दिन के अंतिम सत्र में अपना शतक लगाया ।इसी के साथ ही विराट ने 17 महीने के बाद कोई शतक लगाया है। इससे पहले विराट का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और न्यूजीलैड के खिलाफ पिछली 12 पारियों में वह केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे।इस मैच से काफी समय बाद विराट अपने ही अंदाज में दिखे। ये विराट का 30वां टेस्ट शतक है। शतक तक पहुंचने में विराट ने 7 चौके और 2 छक्के लगाये। वह टेस्ट में 30 शतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। उससे पहले सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ने ही भारत की ओर से 30 या उससे ज्यादा शतक लगाये हैं। गौरतलब है कि महान सर डॉन ब्रैडमैन ने टेस्ट में सबसे पहले 29 शतक का रिकार्ड बनाया था। विराट अब ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा सात टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इसी के साथ ही विराट ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा है। सचिन ने यहां 38 पारियों में 6 शतक लगाये हैं जबकि विराट के 27 पारी में 7 शतक हो गए हैं। इसक अलावा सुनील गावस्कर के नाम यहां 19 पारियों में 5 जबकि वी वी एस लक्ष्मण के नाम 29 पारियों में 4 शतक हैं। विराट ने टेस्ट में अपना अंतिम शतक जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर लगाया था। अब 17 महीने बाद पूर्व भारतीय कप्तान ने टेस्ट में शतक लगाया है।

यशस्वी ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन शतक लगाने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। यशस्वी इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। इस क्रिकेटर ने पारी के 61वें ओवर में अपना शतक लगाया जिसमें उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। अपनी शतकीय पारी के साथ ही यशस्वी ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर ही शतक बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले एमएल जयसिम्हा ने साल 1967-68 और महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने 1977-78 में पहले ही टेस्ट में शतक लगाये थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज यशस्वी ने 22 साल की उम्र में ही एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज किया। वह 28 दिसंबर को अपना 23 वां जन्मदिन मनाएंगे। इस बल्लेबाज के नाम अभी तक तीन शतक हैं और 2024 में अभी तीन मैच और खेलने हैं। वहीं यशस्वी से ज्यादा पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने साल 1971 में 4 शतक, विनोद कांबली ने 1993 में 4 शतक, रवि शास्त्री ने 1984 में 3 शतक और सचिन तेंदुलकर ने 1992 में 3 शतक लगाये थे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक बनाने वाले आखिरी भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 110 थे जिन्होंने 2014-15 में सिडनी क्रिकेट मैदान (एससीजी) पर शतक बनाया था।

कपिल देव ने बुमराह की सराहना की, कहा- ऐसा बहुत कम होता है कि गेंदबाजों को कप्तान चुना जाए

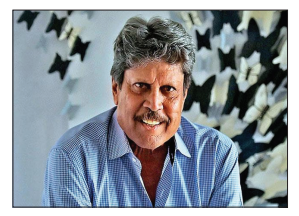

मुम्बई (एजेंसी)। महान ऑलराउंडर कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पर्थ टेस्ट में आगे बढ़कर भारत की अगुवाई करने के लिए रविवार को जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और कहा कि मेहमान टीम ने अब तक उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।

पर्थ टेस्ट के कार्यवाहक कप्तान बुमराह ने पहली पारी में 30 रन देकर पांच विकेट चटकाकर टीम को 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम महज 104 रन पर आउट हो गई। बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 11वीं बार पांच विकेट चटकाए और एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में सातवीं बार यह उपलब्धि हासिल की। वह इन देशों में सर्वाधिक बार पांच विकेट लेने के मामले में कपिल के बराबर पहुंच गए।

कपिल ने यहां विश्व समुद्र गोल्डन ईगल गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान मीडिया से कहा, 'बुमराह को विशेष बधाई दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा बहुत कम होता है कि गेंदबाजों को कप्तान चुना जाए उन्हें जिस तरह से नेतृत्व करते हुए देखा है वह बहुत अच्छा लगता है।' कपिल ने देश में तेज गेंदबाजी को फिर से चर्चा में लाने के लिए बुमराह की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है - उनके रिकॉर्ड बताते हैं (कि वह कितने अच्छे हैं। वह दुनिया के शीर्ष गेंदबाज हैं, हमें और क्या चाहिए?'

कपिल ने कहा, 'मैंने पहले कभी नहीं सोचा था कि भारत में एक तेज गेंदबाज के बारे में इतनी चर्चा होगी लेकिन आज ऐसा हो रहा है और मुझे इस पर खुशी और गर्व है।' कपिल ने कहा कि भारत का प्रदर्शन शानदार है क्योंकि टीम को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है। उन्हें पहला टेस्ट जीतना चाहिए, सकारात्मक सोच हमेशा बनी रहनी चाहिए।'

ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को बीसीसीआई ने संदिग्ध गेंदबाजों की सूची में डाला

-हुड्डा को आईपीएल नीलामी से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने रिलीज कर दिया था

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से ठीक पहले एक बुरी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के जरिए सामने आया है कि लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को बीसीसीआई की संदिग्ध गेंदबाजों की सूची में शामिल किया गया है और उन पर बैन लगने की संभावना है। वह इस साल एलएसजी का हिस्सा नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार दीपक हुड्डा और सौरभ दुबे और केसी करियप्पा जैसे खिलाड़ियों पर पर बीसीसीआई को उनके संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए शार्टलिस्ट किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि मनीष पांडे और श्रीजीत कृष्णन को गेंदबाजी के लिए बैन कर दिया गया है, जबकि ऑफ स्पिनर दीपक हुड्डा संदिग्ध गेंदबाजी सूची में हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि सौरभ दुबे और केसी करियप्पा बीसीसीआई की संदिग्ध सूची में शामिल किए गए हैं। बता दें दीपक हुड्डा को नीलामी से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2024 में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। उन्होंने 11 मैचों में सिर्फ 145 रन बनाए और कोई विकेट भी नहीं लिया था। हुड्डा के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए 10 वनडे मैच खेले हैं और 153 रन बनाए हैं। 20 इंटरनेशनल में उन्होंने 21 मैच खेले हैं और एक शतक के साथ 368 रन बनाए हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2023 में ही खेला था। जो न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मैच था। वहां उन्होंने 30 रन बनाए थे। बता दें कि आईपीएल 2025 के आगामी सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा।

रोहित ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये हैं, वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे। रोहित शनिवार शाम को मुंबई एयरपोर्ट से रवान हुए थे। इस दौरान उन्हें पत्नी रितिका सजदेह को गले लगाकर बाय कहते देखा गया था। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ही पहले टेस्ट से बाहर रहे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन को उन्होंने पहले ही संकेत दिया था कि वे पर्थ टेस्ट नही खेलेंगे। रोहित के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इससे पहे न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित असफल रहे थे, ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमकर रन बनाकर लय हासिल करना रहेगा। इस साल रोहित ने 11 टेस्ट मैचों में 29.40 के औसत से 588 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का घरेलू सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने पांच मैचों में 13.30 के औसत से 133 रन बनाए जिसमें एक अर्धशतक शामिल हैं।

गिलक्रिस्ट सहित पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की शानदार पारी की सराहना की है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया है। गिलक्रिस्ट ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी के लिए सलामी बल्लेबाज के खेलने के तरीके और प्रतिबद्धता की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। गिलक्रिस्ट ने कहा कि जिन्होंने उसे खेलते देखा है वे जानते हैं कि वह काफी आक्रामक खिलाड़ी है। उसने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टेस्ट क्रिकेट में भी वह अपने आक्रामक अंदाज के कारण जाना जाता है। उसने कम समय में भी काफी छक्के लगाये हैं। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइक हसी भी गिलक्रिस्ट से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि मैं उसे ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों पर खेलते हुए देखना चाहता था, यह देखने के लिए कि वह इसे कैसे संभालेगा पर यह पारी दिखाती है कि वह दुनिया भर में किसी भी हालात में खेलकर उसे संभाल सकता है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच डैरेन लेहमैन का मानना है कि जयसवाल और राहुल के प्रयासों से भारतीय टीम मैच में हावी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह एक कठिन दिन था लेकिन दो भारतीय बल्लेबाजों के प्रयासों से टीम बेहतर हालात में पहुंची है। इन दोनो ही शानदार तरीके से खेला है।

पर्थ टेस्ट में पिच बदलाव पर इरफान पठान की मजेदार टिप्पणी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती मैच में पर्थ की पिच ने सभी को चौंका दिया। पहले दिन सतह पर तेज गेंदबाजों के लिए भरपूर उछाल और मूवमेंट था, लेकिन दूसरे दिन यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई। पिच धीमी पड़ने के साथ दरारें उभरने लगीं, जिससे बल्लेबाजों को कुछ राहत मिली। पूर्व भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने पिच के इस अचानक बदलाव पर मजेदार टिप्पणी की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, इतना जल्दी तो मेरी पत्नी का मूड भी नहीं बदला, जितनी जल्दी ये पिच बदली है। पर्थ की हरी सतह ने पहले दिन दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने घास से भरी इस पट्टी पर स्विंग और उछाल का खूब फायदा उठाया। लेकिन दूसरे दिन पिच की प्रकृति बदल गई, सतह पर हलचल कम हो गई और बल्लेबाजों ने क्रीज पर अधिक समय बिताने का मौका पाया। इरफान पठान की यह हल्की-फुल्की पोस्ट क्रिकेट प्रशंसकों के बीच तेजी से वायरल हो गई। फैन्स ने इसे न केवल पिच की स्थिति पर एक सटीक मजाक माना, बल्कि पठान की हाजिरजवाबी की भी तारीफ की। पिच में अचानक बदलाव ने खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। कुछ ने इसे टेस्ट क्रिकेट की अनिश्चितता का हिस्सा बताया, जबकि अन्य ने इसे पिच क्यूरेटर की तैयारी पर सवाल उठाने का मौका माना। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के इस पहले मुकाबले ने पहले ही दो दिनों में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। अब देखना यह है कि अगले तीन दिनों में खेल का क्या रुख रहता है।

सफ़ेद मोहरो से करेंगे भारत के गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत

सिंगापुर (एजेंसी)। फीडे 2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के साथ ही मैच की शुरुआत हो गयी और साथ ही अब पहले मुकाबले की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है कल डिंग लिरेन और गुकेश डी के बीच उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सिंगापुर के कैपिटल थियेटर में 400 से अधिक मेहमान उपस्थित थे, जो सिंगापुर के सांस्कृतिक और नागरिक क्षेत्र के दिल में स्थित एक प्रमुख स्थल है।

गाला शाम की शुरुआत शानदार संगीत प्रस्तुति, और दोनों देशों चीन और भारत के राष्ट्रगानों से हुई। इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम था दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले मुकाबले के लिए रंगों का चयन करना,और इस बार गुकेश डी को पहले खेल में सफेद

मोहरे मिले। 2013 की विश्व शतरंज चैंपियनशिप में आनंद के खिलाफ कार्लसन नें सफ़ेद मोहरो से खेल की शुरुआत की थी और कई शतरंज प्रेमी इसे गुकेश के लिए भी अच्छा बता रहे है।

सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वयक, श्री तेओ ची हेअन ने इस ऐतिहासिक मैच के महत्व पर बात की और कहा, 'यह विश्व चैंपियनशिप हमारे क्षेत्र के लिए विशेष महत्व रखती है। यह पहली बार है जब दो एशियाई ग्रैंडमास्टर एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। सिंगापुर इस ऐतिहासिक मैच का मेज़बान बनकर गर्वित है।'

FIDE के अध्यक्ष, श्री आर्कडी ड्वॉर्कोविच ने मीडिया का धन्यवाद करते हुए कहा, 'आज हम इतिहास रचने जा रहे हैं, जब भारतीय टाइगर गुकेश, 18 साल की उम्र में, चीन के ड्रेगन डिंग लिरेन, विश्व चैंपियन को चुनौती देंगे। यह मैच न केवल शतरंज के इतिहास को आकार देगा, बल्कि भविष्य को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि इस मैच को दुनिया भर में लाखों लोग देखेंगे।'

इस विश्व चैंपियनशिप में डिंग लिरेन (चीन) और गुकेश डी (भारत) के बीच 14-मुकाबलों का मैच होगा। जो खिलाड़ी 7.5 अंक या उससे अधिक स्कोर करेगा, वह मैच जीत जाएगा और कुल 2.5 मिलियन डॉलर के पुरस्कार फंड का हिस्सा जीतेगा।

प्रीमियर लीग : चार बार के चैंपियन मैनचेस्टर सिटी की टोटेनहैम के हाथों करारी हार

लंदन। चार बार के गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को शनिवार को यहां टोटेनहैम के खिलाफ प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में 0-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी जो सभी प्रतियोगिताओं में उसकी लगातार पांचवीं हार है। इस हार के बाद मैनचेस्टर सिटी की टीम शीर्ष पर चल रहे लीवरपूल से पांच अंक पीछे है। सिटी के 23 जबकि लीवरपूल के 28 अंक हैं। लीवरपूल ने हालांकि एक मैच कम खेला है। टोटेनहैम की टीम 19 अंक के साथ छठे स्थान पर है। टोटेनहैम की ओर से जेम्स मेडिसन (13वें और 20वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि पेड्रो पोरो (52वें मिनट) और ब्रेनेन जॉनसन (90 प्लस तीन मिनट) ने एक-एक गोल किया। तीसरे स्थान पर काबिज चेल्सी ने लीसेस्टर को 2-1 से हराया जबकि चौथे स्थान पर चल रहे आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। पांचवें स्थान पर मौजूद ब्राइटन ने बोर्नेमाउथ को 2-1 हराया।

राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश टीम का शानदार प्रदर्शन

इन्दौर। उत्तराखंड के हरिद्वार में ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों से लगभग 2000 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें इंदौर के आर्यन भारतीय ने 16-18 वर्ष -50 किलो भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन कर 04 मुकाबले जीतते हुए फाइनल में वेस्ट बंगाल के खिलाड़ी को आर्मबार तकनीक से हराते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कुमारी आर्या चौधरी ने भी अपने चारों मुकाबले समय से पहले ख़त्म करते हुए 18-20 वर्ष की -53 भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। मध्यप्रदेश के 75 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक और 15 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदकों के साथ देश भर में चौथा स्थान प्राप्त किया खिलाड़ियों के साथ उनके कोच विक्रम अवार्डी विकाश शर्मा एवं सहायक सुरभि साँखला उपस्थित रहे। ग्रेपलिंग रेसलिंग मध्यप्रदेश संघ से हिमांशु अत्रिवाल अध्यक्ष ,एहतेशाम उद्दीन सचिव, उपाध्यक्ष प्रवीन पाटिल, कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र भट्ट सहित समस्त ग्रैपलिंग संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जर्मनी को हराकर नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में

एम्स्टर्डम। जर्मनी के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में पहुंच गया है। मंगलवार को स्पैनियार्ड के करियर के अंतिम मैच में राफेल नडाल को हराने वाले बोटिक वैन डी जैंडस्चुल्प ने शुक्रवार को पहले एकल मैच में डैनियल अल्टमायर को हराकर डच टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में 6-4 6-7 (12-14) 6-3 से जीत हासिल करने के लिए 10 मैच प्वाइंट की जरूरत थी। ग्रिक्सपुर ने बेस्ट ऑफ थ्री टाई को निर्णायक युगल में जाने से रोक दिया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (4-7) 7-5 6-4 से हराया। ग्रिक्सपुर ने कहा कि हमें खुद पर बहुत विश्वास था, हमें हमेशा लगता था कि यह संभव है इसलिए अब ऐसा करना अविश्वसनीय लगता है। रविवार के फाइनल में नीदरलैंड का सामना गत चैंपियन इटली या ऑस्ट्रेलिया से होगा। इटली की टीम का नेतृत्व विश्व के नंबर एक जैननिक सिनर कर रहे हैं। नीदरलैंड्स कप्तान पॉल हारहुइस ने कहा कि यह जीत रोमांचित करने वाली है अगर हम डेविस कप जीतते हैं तो हमारे लिये सुखद होगा क्योंकि हमारे पास वह शीर्ष-पांच खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -10 खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -15 खिलाड़ी नहीं है - लेकिन यह एक टीम प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमें खुद पर विश्वास करना होगा, चाहे कोई भी हमारे खिलाफ हो, कि हम यह कर सकते हैं। इस साल यह हमारा समय है। हम यहां हैं और हम इसे गिनने जा रहे हैं। 3 बार का विजेता जर्मनी 1993 में आखिरी बार खिताब जीतने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने का लक्ष्य बना रहा था।

ऋषभ आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी

आईपीएल नीलामी: भारतीय खिलाड़ियों पर बरसे पैसे... पंत को लखनऊ ने 27 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा, श्रेयस को पंजाब ने 26.75 करोड़ दिए

जेद्दाह (एजेंसी)। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा है। ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ में खरीदा। उन्होंने इस मामले में श्रेयस अय्यर को पीछे छोड़ा। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। हम यहां आपको आईपीएल 2025 और नीलामी इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ियों के विषय में बताएंगे।

आईपीएल 2024 के लिए पिछले साल हुई मिनी नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के विश्व विजेता कप्तान पैट कमिंस और स्टार्क पर जमकर पैसों की बारिश हुई थी और दोनों ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ रुपये में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के ही तूफानी गेंदबाज मिचेल स्टार्क नीलामी टेबल पर आए और उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा। दोनों का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। आईपीएल नीलामी इतिहास में पहली बार 20 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार हुआ था और वह भी एक साथ दो खिलाड़ियों पर। दूसरी सेट से कैप्ड प्लेयर डेविड मिलर को लखनऊ ने 7.5 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। दूसरी मार्की लिस्ट से कैप्ड प्लेयर मोहम्मद शमी को हैदराबाद ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। पिछले सीजन में इंडियन पेसर शमी इंजरी की वजह से नहीं खेले थे।

110 करोड़ में बिके शुरुआती 6 खिलाड़ी

पहले सेट में 6 खिलाड़ियों पर बोली लगी। 4 टीमों ने इन प्लेयर्स पर 110 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। लखनऊ सुपरजायंट्स ने 27 करोड़ में ऋषभ पंत और पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपए में श्रेयस अय्यर को खरीदा। अर्शदीप सिंह 18 करोड़, जोस बटलर 15.75 करोड़, मिचेल स्टार्क 11.75 करोड़ और कगिसो रबाडा 10.75 करोड़ रुपए में बिके।

आईपीएल 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी

खिलाड़ी	कितने में खरीदा (करोड़ रु)	टीम
ऋषभ पंत	27	लखनऊ सुपरजायंट्स
श्रेयस अय्यर	26.75	पंजाब किंग्स
अर्शदीप सिंह	18	पंजाब किंग्स
युजवेंद्र चहल	18	पंजाब किंग्स
जोस बटलर	15.75	गुजरात टाइटंस
कगिसो रबाडा	10.75	गुजरात टाइटन्स
मिचेल स्टार्क	11.75	दिल्ली कैपिटल्स
मोहम्मद शमी	10	सनराइजर्स हैदराबाद

विनोद उपाध्याय / 24 नवम्बर, 2024

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्मा, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रृंगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

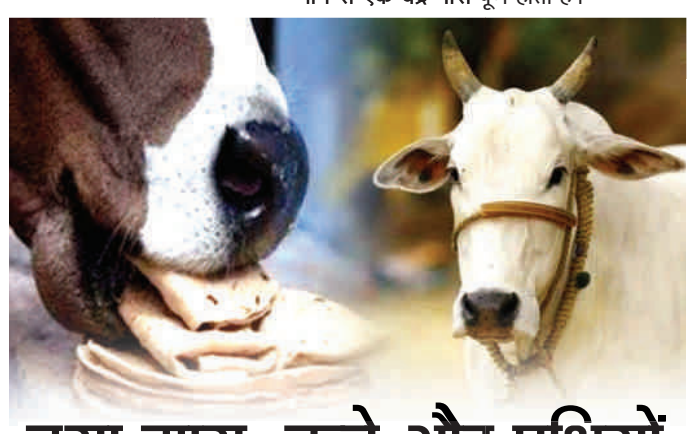

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नौसेना के बेड़े में शामिल हुई छठी मिसाइल-गोला बारूद नौका

नई दिल्ली। मुंबई डॉकयार्ड में आयोजित एक समारोह में छठी मिसाइल और गोला बारूद नौका (एलएसएएम-12, यार्ड 80) नौसेना को सौंपी गई। इस बाबत आयोजित किए गए समारोह की अध्यक्षता नौसेना की पश्चिमी कमांड के मुख्यालय के मुख्य मरम्मत अधिकारी कमोडोर अभिरूप मजूमदार ने की। नौसेना ने बताया कि ऐसी कुल आठ नौकाओं के निर्माण के लिए विशाखापट्टनम की मैसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया एक समझौता इस साल 19 फरवरी 2024 को पूरा हो गया था। यह एक एमएसएमई शिपयार्ड है। इन नौकाओं के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से उसकी परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। क्योंकि इनकी मदद से बंदरगाह के किनारे और बाहरी बंदरगाहों पर भारतीय नौसेना के प्लेटफार्मों तक वस्तुओं, गोला बारूद के परिवहन, चढ़ने और उतरने में सुविधा होगी। नौसेना ने कहा कि नौकाओं का स्वदेशी रूप से डिजाइन करने के लिए एक भारतीय जहाज डिजाइनिंग फर्म से सहयोग लिया गया था। इसके अलावा बल की विज्ञान-तकनीकी प्रयोगशाला (विशाखापट्टनम) में इनका सफलतापूर्वक मॉडल तैयार किया गया। जिससे इनकी समुद्री योग्यता सुनिश्चित की जा सके। इस निर्माण कार्य को भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) के तय नियमों और विनियमों के तहत किया गया है। सातों नौकाएं केंद्र सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की पहल की गौरवशाली ध्वजवाहक हैं।

मंत्रियों और विधायकों के घरों को लूटने और आगजनी करने वाले 7 और गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी में विधायकों के आवासों पर हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना में शामिल होने के आरोप में सात और लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि काकचिंग जिले से शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बयान में कहा गया है कि इस मामले में सात और लोगों की गिरफ्तारी के साथ अब तक कुल 41 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि 16 नवंबर को प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सीएम ने कहा कि लोकतांत्रिक आंदोलन के नाम पर कुछ गिरोहों ने मंत्रियों और विधायकों के घरों में लूटपाट और आगजनी की। सीसीटीवी फुटैज के जरिए संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से यह कहते हुए शर्म आती है कि मणिपुर में ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

जम्मू कश्मीर में आतंकियों के ठिकाने से गोला बारूद व हथियार बरामद

– मालवा गांव से सटे जंगलों में चलाया गया संयुक्त अभियान

श्रीनगर। पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर बारामुल्ला जिले के कुंजर इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला बारूद और हथियार बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेना, पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान के दौरान आतंकियों के ठिकाने का खुलासा हुआ। जानकारी अनुसार बारामुल्ला पुलिस, बडगाम पुलिस और 62 आरआर द्वारा पुलिस स्टेशन कुंजर के अधिकार क्षेत्र के मालवा गांव से सटे जंगलों में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान, एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत सामग्री जब्त करने के बाद, ठिकाने को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया है।

झांसी अग्निकांड में हुई दो और बच्चों की मौत, संख्या बढ़कर हुई 17, घर वालों का रो रोकर बुरा हाल

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र में 15 नवंबर को आग लगने से हुए हादसे में दो और नवजात बच्चों की मौत हो गई है। अब मरने वाले बच्चों की संख्या 17 हो गई है। बच्चों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं, कई बच्चों का इलाज चल रहा था और स्वस्थ होने पर छुट्टी कर दी गई। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर ने बताया कि शनिवार को ललितपुर निवासी राधा पत्नी प्रीतम और तालबेहट निवासी पूनम पत्नी रंजीत के बच्चों की मौत हो गई। जन्म के बाद बीमारी के चलते इनकी जान गई है। ये दोनों शिशु झुलसे नहीं थे। अब तक 28 नवजातों को छुट्टी दी जा चुकी है। वहीं, हादसे के बाद कमिश्नर और डीआईजी की अध्यक्षता में एक जांच कमेटी का गठन किया गया था, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा रिपोर्ट मांगी गई। इस चार सदस्यीय कमेटी ने इस मामले में पूरी जांच पड़ताल की। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह की अगुवाई में टीम मौके पर दो दिन पड़ताल के बाद लौट आई है और रिपोर्ट तैयार कर ली। बता दें कि 15 नवंबर को एनआईसीयू वार्ड में आग लगते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई थी और वहां मौजूद स्टाफ तथा लोग जिन भी बच्चों को लेकर निकल सके उन्हें लेकर निकले। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन, बचाव टीम और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। हालात इतने भीषण थे कि खिडकियों की जालियां तोड़कर शिशुओं को बाहर निकाला गया। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे ने बताया था कि जिस वार्ड में आग लगी थी और वहां 55 नवजात भर्ती थे। 45 नवजात को सुरक्षित निकाल लिया गया। इस हादसे में 10 बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद इलाज के दौरान 7 बच्चों की मौत हो गई। जिसके बाद 17 बच्चों की मौत हो गई।

हेमंत सोरेन ने शिवराज और हिमंत की जोड़ी को सत्ता के आसपास भी नहीं भटकने दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड में भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद हेमंत सोरेन को सत्ता से बेदखल करने में असफल रही। शनिवार को आये विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन की सरकार को एकबार फिर से सत्ता की चाबी सौंप दी। मतदान के बाद आये ज्यादातर एक्जिट पोल में यहां भाजपानीत राजग गठबंधन की सरकार बनने के दावे किये गये थे। चुनाव नतीजों ने जहां राज्य में हेमंत सोरेन का प्रभाव बरकरार रखा वहीं भाजपा की तरफ से चुनाव बागडोर संभाल रहे केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की जुगलबंदी अपनी पार्टी को जीता पाने में नाकाम साबित हुए।इस जोड़ी को सोरेन ने सत्ता के आसपास भी नहीं भटकने दिया।

केंद्र में कृषि मंत्री बनने के बाद मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान को प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को सहप्रभारी की जिम्मेदारी दी गई थी। दोनों नेताओं ने चुनाव से पहले ही लगातार प्रदेश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी। चुनाव रणनीति से लेकर उम्मीदवारों के चयन तक चौहान और सरमा की बड़ी भूमिका रही। चुनाव प्रभार के दौरान शिवराज सिंह ने लगातार बड़ी जनसभाएं की। हिमंत बिस्व सरमा ने हिंदुत्व कार्ड को आगे रखा। दोनों नेता हेमंत सोरेन को सत्ता से हटा पाने में कामयाब नहीं रहे। भाजपा नेतृत्व शुरू से ही यह मानकर चल रहा था कि झारखंड विधानसभा चुनाव जीत लेंगे। अति आत्मविश्वास भी भाजपा की हार का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। भाजपा नेताओं को लग रहा था कि हेमंत सोरेन को आसानी से हरा लेंगे। इसके साथ ही स्थानीय नेताओं की अनदेखी भी एक बड़ी वजह कही जा रही है। भाजपा ने शिवराज और हिमंत बिस्व सरमा को चुनाव में प्रभारी और सहप्रभारी बनाकर एक बड़ा दांव खेला था। चौहान जहां हिंदुत्व के साथ साथ सोशल इंजीनियरिंग को महत्त्व देते हैं, जबकि हिमंता बिस्व शर्मा हार्ड कोर हिंदुत्व के बल पर चुनाव प्रचार में उतरते हैं। लेकिन इन दोनों नेताओं की खूबियों पर हेमंत सोरेन का आदिवासी, मुस्लिम और यादव का समीकरण भारी पड़ा। भाजपा ने यहां भी महाराष्ट्र और यूपी की तर्ज पर बंटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया, लेकिन ध्रुवीकरण नहीं हुआ। यहां हिन्दू-मुस्लिम से ज्यादा सोरेन का आदिवासी अस्मिता का नारा काम आया। बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा भी भाजपा नेताओं के हर भाषण का हिस्सा रहा। हेमंत सोरेन ने भाजपा पर काटो-बांटो की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बेटी-माटी-रोटी का नारा दिया, जो चुनाव जीताने में सहायक रहा।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर गंभीर, नोएडा के स्कूल भी 27 तक ऑनलाइन

- हवा में प्रदूषण के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों में सांस लेने में मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अभी भी गंभीर बनी हुई है। शनिवार को शहर में एक्यूआई 500 के स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही गुरुग्राम में भी 491 का एक्यूआई दर्ज किया गया। हवा में प्रदूषण के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों में सांस लेने में मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक्यूआई को 0-50 के बीच अच्छा, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मॉडरेट, 201-300 के बीच 'खराब, 301-400 के बीच बेहद खराब और 401-500 के बीच गंभीर माना जाता है। गुरुवार को हवा की गति में वृद्धि के कारण राजधानी में गंभीर श्रेणी की 5 दिनों की चेन टूटी थी। हालांकि, शनिवार को फिर से यह 412 पर पहुंच गया, जो कि गंभीर कैटेगरी में आता है। यह आंकड़ा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 24 घंटे के औसत डेटा पर आधारित है। शनिवार को शाम 7 बजे तक दिल्ली का वजीरपुर 440 एक्यूआई के साथ सबसे अधिक प्रदूषित क्षेत्र रहा। अलीपुर, आनंद विहार, अशोक विहार, बवाना, चांदनी चौक, डीटीयू, द्वारका, जहांगीरपुरी, मंदिर मार्ग, नरेला, नेहरू नगर, पटपड़गंज, रोहिणी, पंजाबी बाग, वजीरपुर और मुंडका सहित 20 से अधिक मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया। प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए नोएडा के सभी स्कूल 27 नवंबर तक ऑनलाइन संचालित होंगे। एक्यूआई की गंभीर श्रेणी में सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और खांसी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। खासतौर पर अस्थमा के मरीजों, बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को ज्यादा दिक्कत होती है। ऐसे मौसम में घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी जाती है।

पीएम मोदी के दीवाने हुए ट्रूडो: भारत को घेरने वाले अब अपने ही अफसरों को बता रहे क्रिमिनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के दीवाने हो गए है। निज्जर की हत्या के मामले में जो सवाल कनाडा ने उठाए थे उसको लेकर कनाडा अब पूरी तरह बैकफुट पर आ गया है। खालिस्तान प्रेम में डूबे जस्टिन ट्रूडो की अक्ल ठिकाने आ गई है। ऐसा लगता है कि उन्हें भारत से पंगा लेने का अहसास होने लगा है। भारत की सख्ती का असर देखिए कि कनाडा के तेवर नरम हो चुके हैं। पहले कनाडा सरकार ने निज्जर कांड पर बैकफुट पर आई। अब खुद जस्टिन ट्रूडो को उनके ही अपने अधिकारी क्रिमिनल लगने लगे हैं। जी हां, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों को 'अपराधी' कह दिया। क्योंकि,फर्जी रिपोर्ट में निज्जर हत्याकांड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयशंकर के नाम को घसीटा गया था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रूडो से सवाल किया गया कि कैसे कनाडा का एक प्रमुख अखबार बिना सबूत के कोई खबर छाप सकता है? इस पर ट्रूडो ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को टॉप-सीक्रेट जानकारी लीक करने वाले अपराधी लगातार गलत खबरें फैलाते रहे हैं। यही वजह है कि हमने विदेशी दखल पर एक राष्ट्रीय जांच की थी। इस जांच में यह बात सामने आई थी कि मीडिया संस्थानों को जानकारी लीक करने वाले अपराधी न केवल अपराधी होते हैं बल्कि वे अविश्वसनीय भी होते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर मेरा पहला काम कनाडा के लोगों को सुरक्षित रखना है।

यह पहली बार है जब कनाडा के मीडिया ने पीएम मोदी को इस मामले में घसीटा है, जो पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में एक महत्वपूर्ण घटना है। हालांकि रिपोर्ट में अधिकारी की पहचान नहीं बताई गई। रिपोर्ट में यह जरूर कहा गया कि सूत्र ने स्वीकार किया कि कनाडा के पास कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है कि नरेंद्र मोदी जानते थे। हालांकि, भारत ने पहले ही इस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। हालांकि, बाद में कनाडा सरकार ने सफाई दी कि नरेंद्र मोदी, एस जयशंकर और अजीत डोभाल का निज्जर हत्याकांड से न तो कोई कनेक्शन है और न कोई सबूत.. कनाडा सरकार ने पीएम मोदी को निज्जर की हत्या से जोड़ने वाली विवादास्पद रिपोर्ट को खारिज किया और कहा कि यह अटकलों पर आधारित और गलत है।

-यूपी उपचुनाव में कांग्रेस का साथ न होना सपा को पड़ा भारी

योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे ने कर दिया खेल, नहीं समझ सके अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' झारखंड के लोगों को पसंद नहीं आया। वहां के लोगों ने इसे नकारते हुए बीजेपी को भी नकार दिया है। यूपी में अखिलेश यादव के साथ वही हुआ है, जो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के साथ। लोकसभा में मिली जीत ने अखिलेश को आत्मविश्वास से भर दिया था। अति आत्मविश्वास को ही योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार की वजह बताया था।

बहरहाल, उपचुनावों में तो हिसाब बराबर हो गया है। 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने करहल, सीसामऊ, कटेहरी और कुंदरकी सीटों पर जीत हासिल की थी। करलहल से तो खुद अखिलेश यादव ही चुनाव जीते थे, लेकिन बाद में कन्नौज से लोकसभा में सांसद बन कर पहुंच गए। मीरापुर विधानसभा सीट जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी के पास थी, जो समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ चली गई है। बीजेपी ने 2022 में फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर सीटों पर कब्जा किया था।

हाल के उपचुनाव में अखिलेश ने सभी नौ सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे और कांग्रेस ने समर्थन दिया था। खास बात ये थी कि अखिलेश यादव ने भी हरियाणा चुनाव में तवज्जो न मिलने से नाराज होकर ही ये कदम उठाया था। नतीजे आने के बाद तो लगता है कि कांग्रेस का साथ न होना ही अखिलेश यादव को भारी पड़ा है। वो पहले ही समझ गए होते कि 'बंटेंगे तो कटेंगे', तो ये हाल होने से बच सकते थे।

अखिलेश यादव और राहुल गांधी का साथ 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार फायदे का सौदा साबित हुआ था। चुनाव नतीजों से ये भी साफ हो गया कि अगर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ें और एक दूसरे के वोटो का ट्रांसफर तय कर पायें तो सफलता मिल सकती है। अगर 'बंटेंगे तो कटेंगे' में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश के लिए संदेश है, तो महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए नसीहत हैं और इंडिया ब्लॉक के मामले में राहुल गांधी को भी समझ लेना चाहिए एक हैं तो सेफ हैं।

मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट का रिजल्ट भी कुछ कह रहा है। कुंदरकी में योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे नारे का ऐसा असर हुआ है कि तीन दशक बाद बीजेपी हार के दुख से उबरी है। बीजेपी उम्मीदवार ठाकुर रामवीर सिंह ने समाजवादी पार्टी के हाजी मोहम्मद रिजवान को हराया है। हैरानी की बात ये है कि कुंदरकी में करीब 64 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अब तो ऐसा ही लगता है कि अगर कांग्रेस का साथ रहा होता तो समाजवादी पार्टी का ये हाल न हुआ होता। करहल और सीसामऊ के नतीजों ने जैसे तैसे इज्जत बचाने की कोशिश की है।

उपचुनाव के लिए प्रचार खत्म होने के ठीक पहले अखिलेश ने एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा था- प्रिय उत्तर प्रदेश वासियों और मतदाताओं, उत्तर प्रदेश आजादी के बाद के सबसे कठिन उपचुनावों का गवाह बनने जा रहा हैज्ये उपचुनाव नहीं हैं, ये रुख चुनाव हैं, जो उत्तर प्रदेश के भविष्य का रुख तय करेंगे। उपचुनावों के नतीजे तो अलग ही रुख दिखा रहे हैं। अखिलेश के लिए भी, और राहुल गांधी के लिए भी।

किसी का समर्थन नहीं किया, तो मेरा मुद्दा कैसे विफल हो सकता है, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बोले जरांगे

जालना (एजेंसी)। मराठा आरक्षण आंदोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उनके आंदोलन का कोई असर नहीं होने की चर्चा को रविवार को खारिज कर दिया। महाराष्ट्र में 288-सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। चुनाव परिणाम शनिवार को घोषित किए गए। महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल हैं। महायुति ने मराठवाड़ा क्षेत्र की 46 में से 40 सीट जीतीं, जिनमें जालना की सभी पांच सीट शामिल हैं।

जालना, नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे के आंदोलन का केंद्र रहा है। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के खराब प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक जरांगे के आंदोलन को दिया गया था। जरांगे ने विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी।

जरांगे ने कहा, ''कोई यह कैसे कह सकता है कि विधानसभा चुनाव में जरांगे फैक्टर विफल हो गया, जबकि मैंने न तो चुनाव लड़ा और न ही किसी का समर्थन किया? मैंने मराठा समुदाय को इन राजनीतिक दलों के चंगुल से मुक्त कराया। मराठा समुदाय को अपनी पसंद के अनुसार वोट देने की आजादी मिली। मेरा ध्यान मराठाओं को सशक्त बनाने पर है।'' उन्होंने चुनाव परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 204 मराठा उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं।

जरांगे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले नियमित रूप से उम्मीदवार उतारने या समुदाय की आरक्षण मांग का विरोध करने वालों को हराने की बात करते रहे थे। विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) सिर्फ 46 सीट ही जीत सका। एमवीए में कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) शामिल हैं। भाजपा को 132 सीट मिलीं, शिवसेना को 57, जबकि राकांपा को 41 सीट मिलीं। एमवीए में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 और कांग्रेस ने 16 सीट जीतीं, जबकि शिवसेना (उबाठा) ने 20 सीट पर जीत दर्ज की।

राज्यपाल बोस ने राजभवन में लगवाई खुद की प्रतिमा, टीएमसी बोली- हार भी पहना दीजिए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राजभवन में खुद की प्रतिमा लगवाई और खुद ही उसका अनावरण किया। अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपनी प्रतिमा का शनिवार को अनावरण किया है। इस मौके पर पौधारोपण और पेंटिंग प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। इसके अलावा चित्रकारी की स्पर्धा करवाई गई थी जिसमें स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया था।

अपनी ही प्रतिमा का अनावरण करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आलोचकों का कहना है कि पद पर रहते हुए अपनी ही प्रतिमा लगवाना गलत है। अनावरण के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसपर लोगों ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लोगों का कहना है कि राज्यपाल अपने ही महिमामंडन में लगे हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्थ साहा नाम के एक कलाकार ने यह मूर्ति राज्यपाल को भेंट की थी। पार्थ साहा कोलकाता के इंडियन म्यूजियम से संबंधित हैं। राज्यपाल की तस्वीर के आधार पर उन्होंने फाइबर की यह प्रतिमा बनाई है। वह कभी आमने-सामने राज्यपाल से नहीं मिले थे। राज्यपाल कार्यालय ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने खुद अपनी प्रतिमा नहीं बनवाई है बल्कि एक कलाकार ने भेंट की है। वहीं टीएमसी ने इसपर आपत्ति जताते हुए कहा कि जीवित रहते हुए ही राज्यपाल अपने महिमामंडन के लिए खुद की प्रतिमा लगवाए दे रहे हैं। टीएमसी ने कहा, हमने ऐसा पहले कभी नहीं सुना था। वह पब्लिसिटी के भूखे हैं। अब आगे क्या होगा। क्या वह अपनी प्रतिमा को हार पहनाएंगे। उन्हें अब हार भी पहना देना चाहिए। टीएमसी प्रवक्ता जयप्रकाश मजुमदार ने कहा कि राज्यपाल मंगोलों की तरह काम कर रहे हैं। सीपीएम सेंट्रल कमेटी के दस्य सुजान चक्रवर्ती ने कहा, यह बहुत ही अपमानजक है। यह हमारे राज्य का दुर्भाग्य भी है। बंगाल की संस्कृति के साथ भी गंदा खेल खेला जारहा है। बता दें कि मूर्ति का अनावरण करते हुए सीवी आनंदबोस ने कहा था कि बंगाल की राजनीतिक दशा बहुत ही खराब है। उन्होंने कहा, बंगाल की जनता लंबे समय तक यह सब बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने दो साल के अपने खट्टे-मीठे अनुभव बयां किए।

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रकोप से बचाने के लिए भारत-ईयू के बीच हुआ विचार मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के मध्य भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) की सह-अध्यक्षता में 10वीं ऊर्जा पैनल की बैठक ब्रुसेल्स में संपन्न हुई। इसमें विदेश मंत्रालय की ओर से सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल और यूरोपीय संघ के ऊर्जा मामलों के महानिदेशक डिट्टे जूल जोर्गेनसेन शामिल हुए। दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी 2025-28 तक एक कार्य योजना को स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक का उद्देश्य ऊर्जा पैनल के विषय पर दोनों पक्षों की ऊर्जा परिवर्तन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा 2021-24 तक भारत-ईयू स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी के दूसरे चरण की उपलब्धियों की समीक्षा करना था। इसमें भारत के केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली मंत्रालय के प्रतिभागियों के अलावा ईयू से ऊर्जा और क्लाइमेट एक्शन के निदेशालय प्रमुख शामिल हुए।

मंत्रालय ने बताया कि भारत और ईयू ने तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए पूरी की गई 9 क्षेत्रों की 51 गतिविधियों का विस्तार से जायजा लिया। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग के लिए फ्रेमवर्क को भी स्वीकृति दी गई। फ्रेमवर्क में भारत और ईयू में ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग के लिए बनाए गए सिद्धांत मुख्य रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि ईयू और संघ के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन में भाग लिया था। वहीं, भारत मौजूदा वर्ष में यूरोपियन हाइड्रोजन सप्ताह में विशेष भागीदार के रूप में शामिल हुआ। दोनों पक्ष एक दीर्घावधि शोध साझेदारी प्रतिबद्धताओं से भी जुड़े हुए हैं। जिसमें स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में शोध के लिए सहयोग प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह परियोजना पिछले साल 2023 में स्थापित किए गए स्वच्छ और हरित तकनीक के लिए गठित किए गए भारत-ईयू व्यापार और तकनीकी परिषद कार्य समूह का हिस्सा है।

चार वर्षीय भागीदारी में भारत और ईयू मुख्यत- प्राथमिकता वाले 5 क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसमें ग्रीन हाइड्रोजन, अपतटीय हवा, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इलेक्ट्रिसिटी मार्केट इंटीग्रेशन, स्मार्ट ग्रिड, एनर्जी और क्लाइमेट कूटनीति मुख्य हैं। दोनों ने हरित हाइड्रोजन सहयोग के लिए एक व्यापक एजेंडा तैयार किया है। जिसमें बुनियादी ढांचे का विकास, नियामक और तकनीकी सहयोग, सप्लाई चेन को मजबूती प्रदान की जाएगी। भारत और ईयू ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में अपने सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई और जी-20 के तंत्र के तहत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में गहनता से सहयोग को लेकर सहमति जताई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया : हेलीकॉप्टर दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के एक सुदूर इलाके से एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना की खबर सामने आई है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इसमें एक अन्य के घायल होने की खबर है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर में मौजूद पुरुष यात्री (40) को तुरंत ही एम्बुलेंस कर्मियों द्वारा उपचार दिया गया, मगर उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं हेलीकॉप्टर पायलट (39) को इलाज के लिए मेलबर्न के एक अस्पताल भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर पायलट को कुछ मामूली चोटें आई थी, जिसका उपचार किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) ने इस हादसे की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों व्यक्ति एक अमेरिकी पंजीकृत सुपर प्यूमा हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे। यह विमान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास न्यू साउथ वेल्स में, सिडनी से लगभग 600 किमी पश्चिम और मेलबर्न से 400 किमी उत्तर में वन ट्री नाम के छोटे से शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऑस्ट्रेलियाई समुद्री सुरक्षा प्राधिकरण (एएमएसए) ने कहा कि उसे स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 बजे हेलीकॉप्टर से संकेत मिला। जवाब में, एएमएसए ने खोज शुरू करने के लिए एक बचाव विमान और एयर एम्बुलेंस हेलीकॉप्टर भेजा। खोज में सहायता करने वाले एक स्थानीय स्काईडाइविंग विमान ने दुर्घटना स्थल का पता लगाया। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर दुर्घटना के समय न्यू साउथ वेल्स के ब्रोकन हिल और एल्बरी शहरों के बीच लगभग 680 किलोमीटर की यात्रा कर रहा था। वहीं इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई परिवहन सुरक्षा ब्यूरो का कहना है कि वह इस दुर्घटना की जांच करेगा।

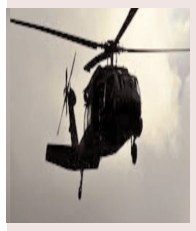

नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में सिडनी हवाई अड्डे पर पकड़े गए इतावली नागरिक को हो सकती है उम्रकैद की सजा

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया में एक इटली के रहने वाले व्यक्ति को नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल (एबीएफ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सिडनी हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने एक 18 वर्षीय इतालवी व्यक्ति के सामान में कथित तौर पर 15 किलोग्राम मेथामफेटामाइन पाया था, जिसके बाद उस पर यह कार्रवाई की गई है। उस व्यक्ति को अदालत में नशीली दवाओं के केस में आरोपी बना कर पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि एबीएफ अधिकारियों ने बुधवार को यूरोप से उड़ान भरकर सिडनी पहुंचने पर उस व्यक्ति के सामान की जांच की। अधिकारियों को कथित तौर पर उस व्यक्ति के सूटकेस में बड़े काले प्लास्टिक के पैकेट में छिपे हुए सफेद पदार्थ के पैकेट मिले। शुरुआती जांच में पता चला कि यह पदार्थ मेथामफेटामाइन है। इस दवा पर ऑस्ट्रेलिया में नियंत्रण लगाया गया है। एएफपी ने उस व्यक्ति को सीमा-नियंत्रित दवा की वाणिज्यिक मात्रा आयात करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अगर वह दोषी पाया जाता है, तो उसे अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, मेथामफेटामाइन की इस मात्रा से 150,000 तक सौदे किए जा सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 13 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 8.4 मिलियन डॉलर) है। एएफपी के डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट मोर्गन ब्लुंडेन ने एक बयान में कहा, सभी जोखिमों के बावजूद, हम अभी भी नियमित रूप से उन लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं, जिन्होंने हमारे हवाई अड्डों के माध्यम से हमारे देश में अवैध ड्रग्स लाने का प्रयास किया है। बता दें कि इस साल नवंबर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई आपराधिक खुफिया आयोग द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में मेथामफेटामाइन को ऑस्ट्रेलिया में दूसरी सबसे अधिक खपत की जाने वाली अवैध दवा के रूप में पहचाना गया।

पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी के सऊदी अरब से जुड़े बयान पर मच गया बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की परेशानियां सऊदी अरब की यात्रा के बाद शुरू हुई थीं। उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इस्हाक डार और पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने 'एक्स पर पोस्ट की गई बुशरा बीबी की वीडियो क्लिप को लेकर उनकी आलोचना की। बुशरा बीबी ने बृहस्पतिवार को वीडियो बयान में कहा कि खान की समस्याएं उस समय शुरू हुईं जब वह (खान) मदीना गए और उन्हें बिना जूतों के अपने विमान से बाहर आते देखा गया। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद तत्कालीन सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के पास फोन आने लगे। उन्होंने खान की सितंबर 2018 की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, खान के लौटने के तुरंत बाद, बाजवा को फोन आने लगे और कहा गया कि 'ये तुम क्या उठा के लाए हो? इस वीडियो का उद्देश्य खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों को रविवार को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित करना था।

इजरायली हवाई हमलों से बेहाल हुआ लेबनान राजधानी बेरुत पर आईडीएफ का खतरनाक प्रहार

बेरुत, एजेंसी। इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह के गढ़ को खत्म करने की कसम खा चुका है। अपनी इस कसम को पूरा करने के लिए इजरायल लगातार हमले कर रहा है। कई रॉकेटों के साथ किए गए इस इजरायली हमले से लेबनान की राजधानी हिल गई। लेबनान के सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक शनिवार की सुबह तड़के ही इजरायल की तरफ से यह हमला किया गया। इस हमले में कम से कम चार रॉकेट दागे गए थे। इसमें कई इमारतें ध्वस्त हो गई। इमारतों में फंसे लोगों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बेरुत के बस्ता इलाके में यह हमला किया गया। विस्फोट के बाद सुरक्षाबलों स्थानीय लोगों की मदद से इलाकें में मदद की व्यवस्था की। लेबनान की मीडिया के मुताबिक इस हमले में कम से कम चार इमारतें नष्ट हो गई हैं, जबकि इसके आसपास की भी कई इमारतें बुरी तरफ क्षतिग्रस्त हो गई। पिछले एक सप्ताह में इजरायल द्वारा बेरूत पर किया गया यह चौथा हमला है। पिछले हफ्ते में हिजबुल्लाह के एक प्रवक्ता की मौत हो गई थी।

इजरायल का लेबनान पर हमला पिछले कई महीनों से जारी है। यह पूरी लड़ाई 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुई थी, जब हमास के आतंकियों ने इजरायल की सीमा के अंदर घुसकर आम नागरिकों की हत्या की और कई नागरिकों को बंधी बनाकर अपने साथ ले गए। इस हमले के बदले में इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमला बोल दिया। गाजा के समर्थन में उतरे लेबनान में इजरायल पर हवाई हमले करना जारी रखा। शुरुआती समय में इजरायल ने चेतावनी देते हुए लेबनान से कहा कि वह हमला करेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना होगा। इसके बावजूद भी हिजबुल्लाह नहीं रुका। बदले की कार्रवाई करते हुए इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ने के बाद लेबनान का रुख किया। संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण के बाद इजरायली राष्ट्रपति ने कहकर हिजबुल्लाह चीफ को हवाई हमले में मार गिराया। लेबनान में सैन्य कार्रवाई करते हुए इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह को नेस्तानाबूद करने की कसम खाई। वर्तमान में इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के लड़ाकों के बीच में लेबनान की दक्षिणी सीमा पर लड़ाई जारी है। दूसरी तरफ इजरायल अपने हवाई हमलों के जरिए हिजबुल्लाह की कमर तोड़ने में लगा हुआ है। इजरायली सेना की मानें तो वह लेबनान में उन सभी जगहों, इमारतों को निशाना बना रहा है, जो हिजबुल्लाह के कंट्रोल में हैं। दूसरी तरफ हिजबुल्लाह भी पीछे ना हटते हुए लगातार इजरायली जमीन पर रॉकेट और मिसाइलों से हमला कर रहा है।

नेतन्याहू के अरेस्ट वॉरेंट पर अमेरिका हुआ नाराज, इसे जल्दबाजी बताया : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के फैसले को खारिज कर दिया, जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों का आरोप है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक प्रेस वार्ता में फैसले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से खारिज करते हैं। उन्होंने वारंट मांगने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की और परेशान करने वाली प्रक्रिया की त्रुटियों की ओर इशारा किया जिसके कारण यह नतीजा निकला।

जीन-पियरे ने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस मामले पर आईसीसी के अधिकार क्षेत्र की कमी के बारे में स्पष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियोजक चाहे कुछ भी कहे, कोई सबूत नहीं है, इज़राइल और हमास के बीच कोई सबूत नहीं है। व्हाइट हाउस अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए इज़राइल सहित अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की, हम मौलिक रूप से इस बात को खारिज करते हैं कि स्थिति पर आईसीसी का अधिकार क्षेत्र है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं और हम इसे जारी रखेंगे। यह बयान तब आया है जब अमेरिका अपने नेताओं के खिलाफ आईसीसी के आरोपों के बीच इजरायल के प्रति समर्थन दिखाना जारी रखता है। हेग में आईसीसी ने नेतन्याहू और गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया और उन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया। आरोपों में गाजा में नागरिकों को निशाना बनाने और भुखमरी की नीतियां लागू करने के आरोप शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने की पाकिस्तान में हुए हमले की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए घातक हमले की कड़ी निंदा की है. आतंकियों ने गुरुवार को तीन यात्री वाहनों को निशाना बनाकर हमले किए जिसमें कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए. महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को दैनिक ब्रीफिंग में देकर कहा कि नागरिकों के खिलाफ हमले अस्वीकार्य हैं. गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों और पाकिस्तान सरकार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की. उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से जांच कराने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए. पाराचिनार में शिया और सुन्नी के बीच पहले भी खूनी टकराव हुए हैं. किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, जबकि सुरक्षा बलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. पाकिस्तान के संघीय मंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि संघीय सरकार केपी प्रांतीय सरकार के साथ लगातार संपर्क में है. पिछला सप्ताह कठिन और परेशान करने वाला रहा है. उन्होंने कहा, हम हर दिन एक नई घटना देखते हैं और अब केपी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं. पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी इस दुखद घटना की निंदा की और कहा कि निर्दोष यात्रियों पर हमला एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है. शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच भूमि विवाद को लेकर पहले भी हिंसक और जानलेवा झड़पें हो चुकी हैं. पिछले कुछ सालों में इन दोनों के बीच आपसी संघर्ष की कई घटनाएं हुई. इस दौरान दोनों पक्षों के सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है. जनजातियों के बीच पिछले संघर्ष के बाद से स्थानीय लोगों को स्थानीय बुजुर्गों द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार केवल काफिले में यात्रा करने की अनुमति थी. कुर्रम जिले में गुरुवार का हमला शिया और सुन्नी के बीच लंबे समय से चल रहे सांप्रदायिक संघर्ष में सबसे घातक हमलों में से एक है. इस महीने की शुरुआत में हजारों निवासी पाराचिनार में एक शांति मार्च में भाग लेने के लिए एकत्र हुए थे।

मेरी चीन की यात्रा काफी सफल रहेगी: ओली

काठमांडू, एजेंसी। ''मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि चीन की उनकी आगामी आधिकारिक यात्रा काफी सफल रहेगी। कार्यभार संभालने के बाद किसी पड़ोसी देश की यह उनकी पहली यात्रा होगी। ओली ने कहा, ''मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''उत्पादकता बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी।' हालांकि, सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ओली की यात्रा और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला का खुलासा: जहर देने की कोशिश, पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर लगाए आरोप

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने गुरुवार को खुलासा किया कि 2022 में पदभार ग्रहण करने से कुछ दिन पहले उन्हें और उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन को जहर देने की कथित कोशिश की गई थी. गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, लूला ने कहा, जैसा कि सीएनएन ने उद्धृत किया कि मुझे अब बहुत आभारी होना चाहिए, और भी अधिक इसलिए क्योंकि मैं जीवित हूं. मुझे और (उपराष्ट्रपति) अल्कमिन को जहर देने की कोशिश सफल नहीं हुई, अब हम यहां हैं. सीएनएन ब्राजील के अनुसार, यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और 36 अन्य पर 2022 के चुनावों के बाद तख्तापलट की साजिश की जांच में अभियोग लगाया गया है. जांच में आरोप लगाया गया है कि बोल्सोनारो को लूला को उनकी चुनावी जीत के बाद पदभार ग्रहण करने से रोकने की योजनाओं की पूरी जानकारी थी. ब्राजील की संघीय पुलिस ने निष्कर्षों को रेखांकित करते हुए सुप्रीम कोर्ट को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी. सैकड़ों पन्नों की इस रिपोर्ट में उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस की हत्या की योजना का विवरण दिया गया है. सीएनएन ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में जहर और विस्फोटक शामिल थे. मंगलवार को, कथित साजिश के सिलसिले में बोल्सोनारो के पूर्व सलाहकार और सेवानिवृत्त जनरल मारियो फर्नांडीस सहित पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया. संदिग्धों ने कथित तौर पर सरकार का नियंत्रण जब्त करने के लिए एक संस्थागत संकट प्रबंधन कार्यालय बनाने की मांग की. अभियोग के जवाब में, बोल्सोनारो ने कहा कि उन्होंने अभी तक आरोपों की समीक्षा नहीं की है. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि संघीय पुलिस की ओर से इस अभियोग में क्या है. मैं वकील का इंतजार करूंगा. जाहिर है, यह अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में जाएगा. यह पीजीआर में है कि लड़ाई शुरू होती है. मैं उस टीम से कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकता जो मेरी निंदा करने के लिए रचनात्मकता का उपयोग करती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने जस्टिस मोरेस की भी आलोचना की. आरोपित लोगों में बोल्सोनारो के पूर्व रक्षा मंत्री वाल्टर ब्रागा नेट्टो, पूर्व सुरक्षा प्रमुख ऑगस्टो हेलेनो और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी की हत्या के बारे में सोचना भले ही कितना भी घिनौना क्यों न हो, यह कोई अपराध नहीं है. जांच 8 जनवरी के दंगों के बाद चल रहे तनाव को बढ़ाती है, जिसके दौरान बोल्सोनारो समर्थकों ने लूला की जीत के विरोध में सरकारी इमारतों पर धावा बोला था।

डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज की एलन मस्क की सिफारिश, अपने ही करीबी को बड़ा जिम्मा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रेजरी सचिव यानी कैबिनेट में वित्त मंत्री के पद के लिए एलन मस्क की पसंद को खारिज कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने अपने करीबी स्कॉट बेसेंट को ट्रेजरी सचिव नियुक्त किया है। ट्रंप के इस कदम के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। हेज फंड के दिग्गज स्कॉट बेसेंट ट्रम्प के आर्थिक विचारों का समर्थन करते हैं। वहीं मस्क ने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण वाले हॉवर्ड लुटनिक के नाम का समर्थन किया था। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पहले ही इस मामले पर अपने विचार रखते हुए अपना पक्ष रखा था। मस्क ने सार्वजनिक रूप से हॉवर्ड लुटनिक को समर्थन देते हुए कहा था कि वह जरूरी परिवर्तन ला सकते हैं। हालांकि ट्रंप स्क्वायर ग्रुप के संस्थापक बेसेंट ट्रम्प की आर्थिक नीतियों, खास कर उनके टैरिफ समर्थक रुख के बड़े समर्थक रहे हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के साथ बैठक के बाद 62 वर्षीय बेसेंट की नियुक्ति की गई है। ट्रंप ने शनिवार को एक बयान में कहा, स्कॉट मेरे साथ मिलकर अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए काम करेंगे। स्कॉट और उनके परिवार को बधाई। इससे पहले एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप के कैबिनेट मंत्री चुनने के फैसले पर चर्चा करते हुए लिखा था, इस पर और लोगों की राय सुनना दिलचस्प होगा ताकि डोनाल्ड ट्रंप फीडबैक पर विचार कर सके। उन्होंने आगे लिखा, मेरा विचार यह है कि स्कॉट बेसेंट एक विकल्प हो सकते हैं। हालांकि हॉवर्ड लुटनिक सच में बदलाव ला सकते हैं। आम फैसले लेने की वजह से अमेरिका दिवालिया हो सकता है इसलिए हमें किसी न किसी तरह से बदलाव की जरूरत है।

कौन हैं स्कॉट बेसेन्ट : स्कॉट बेसेन्ट ने राष्ट्रपति चुनावी अभियान के दौरान ट्रंप को आर्थिक नीति पर सलाह दी थी। वह की स्क्वायर कैपिटल मैनेजमेंट की स्थापना कर चुके हैं। स्कॉट ब्रिटिश पाउंड और जापानी येन के खिलाफ अपने सफल दांव के लिए जाने जाते हैं। सोरोस फंड मैनेजमेंट में हेज फंड एक्जीक्यूटिव और पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका के लिए पहचान बनाने वाले स्कॉट बेसेन्ट ट्रंप की ट्रेजरी सचिव के लिए पहली पसंद थे। ट्रंप का चयन वित्तीय जगत में बेसेन्ट की सफलता और जॉर्ज सोरोस के साथ एमएजीए एजेंडे के लिए उनके समर्थन से भी प्रभावित है।

पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा-ट्रंप की वापसी से बहुत दुख हुआ, वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती

लंदन, एजेंसी। पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल का कहना है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने पर उन्हें बहुत 'दुख हुआ क्योंकि वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती हैं। मर्केल ने कहा कि और उन्हें याद है कि उनके साथ हर भेंट ''एक प्रतियोगिता होती थी: आप या मैं। जर्मन साप्ताहिक 'डेर स्पीगेल में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में मर्केल ने कहा कि ट्रंप दुनिया खासकर बहुपक्षवाद के लिए एक चुनौती हैं। उन्होंने कहा, ''अब जो हमारे लिए इंतजार कर रहा है, वह वास्तव में आसान नहीं है क्योंकि दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था इस राष्ट्रपति के पीछे खड़ी है एवं डॉलर प्रमुख मुद्रा है।

मर्केल ने जर्मन चांसलर रहते हुए चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम किया। वह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान सत्ता में थीं - यह उनके 16 साल के कार्यकाल में जर्मन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे तनावपूर्ण अवधि थी, जो 2021 के अंत में समाप्त हुई। उन्होंने 'ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में एक चर्चित अजीबोगरीब पल को एक खास दृश्य के रूप में याद किया, जब वह पहली बार मार्च 2017 में व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलने गई थीं। फोटोग्राफर ने आवाज लगायी हाथ मिलाइए। और मर्केल ने धीरे से ट्रंप से पूछा: क्या आप हाथ मिलाना चाहते हैं? ट्रंप की ओर से कोई जवाब नहीं आया, जो अपने हाथ जोड़कर सामने देखते रहे। मर्केल ने कहा, मैंने फोटोग्राफर के वास्ते हाथ मिलाने के लिए उन्हें मनाने की कोशिश की क्योंकि मैंने अपने रचनात्मक तरीके से सोचा कि शायद उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वे ऐसी तस्वीर चाहते हैं। लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने सोच-समझकर यह इनकार किया था। इस यात्रा के दौरान अन्य मौकों पर भी दोनों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। मर्केल ने कहा,''कमरे में जितने अधिक लोग थे, विजेता बनने की उनकी इच्छा उतनी ही अधिक थी। उन्होंने कहा,''आप उनसे बात नहीं कर सकते। हर भेंट एक प्रतियोगिता है: आप या मैं। मर्केल ने कहा कि उन्हें पांच नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के खिलाफ ट्रंप की जीत पर 'दुख महसूस हुआ।

अपने पार्टनर को धोखा देना अपराध नहीं, अमेरिकी कोर्ट ने बदल दिया 100 साल पुराना कानून

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक कोर्ट ने शुक्रवार को सौ साल से भी ज्यादा पुराने कानून को निरस्त कर दिया है। इसके बाद अब यहां अपने जीवनसाथी को धोखा देना अपराध के तहत नहीं आएगा। गवर्नर कैथी होचुल ने 1907 में बने इस कानून को निरस्त करने वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए। एडल्ट्री यानी अपने साथी के अलावा किसी और से संबंध रखने को लेकर पिछले कई सालों से यह बहस जारी है कि इसे अपराध की श्रेणी में रखा जाए या नहीं। अमेरिका की कई राज्यों में एडल्ट्री पर प्रतिबंध को लेकर सख्त कानून है। इसे उस वक्त बनाया गया था जब पति या पत्नी के धोखा देने को साबित करना ही कानूनी तलाक पाने का एकमात्र तरीका था। कानून का मकसद देश में तलाकों की संख्या को कम करना था। कुछ राज्यों ने बीते कुछ सालों में ऐसे कानूनों को खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं। विधेयक को मंजूरी देते हुए गवर्नर ने कहा, मैं अपने पति के साथ 40 साल तक एक अच्छा विवाहित जीवन जीने के लिए भाग्यशाली रही हूं। इसीलिए मेरे लिए एडल्ट्री को अपराध मुक्त करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर करना थोड़ा विडंबनापूर्ण है। मैं जानती हूं कि लोगों के बीच अक्सर जटिल रिश्ते होते हैं। उन्होंने कहा, इन मामलों को आपसी बातचीत से सुलझाने चाहिए न कि हमारी न्याय प्रणाली द्वारा। आइए इस बेतुके, पुराने कानून को हमेशा के लिए खत्म किया जाए। न्यूयॉर्क में एडल्ट्री की परिभाषा के मुताबिक जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ उस समय यौन संबंध बनाता है जब उसका कोई जीवित जीवनसाथी होता है, या दूसरे व्यक्ति का कोई जीवनसाथी होता है तो उसे धोखा माना जाता है । न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख के अनुसार इस कानून का कई बार इस्तेमाल किया जा चुका है जिसमें तीन साल तक जेल की सजा दी जाती थी। बिल लाने वाले विधानसभा सांसद चार्ल्स लैविन ने कहा कि 1970 के दशक से इस कानून के तहत लगभग एक दर्जन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं और उनमें से केवल पांच मामलों में दोष साबित हुआ है। उन्होंने कहा, कानून हमारी रक्षा करने और असामाजिक व्यवहार को रोकने के लिए होते हैं। यह कानून किसी भी उद्देश्य को पूरा नहीं करता है। इसका आखिरी बार 2010 में इस्तेमाल किया गया था।

रूस-यूक्रेन जंग को रुकवाने के लिए ग्रेनेल को विशेष दूत चुन सकते ट्रंप, समर्थक नाराज : वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप, जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस पद के लिए उनके पूर्व खुफिया प्रमुख रिचर्ड ग्रेनेल को चुना जा सकता है। रिचर्ड ग्रेनेल 2017-2021 के दौरान ट्रंप प्रशासन में अमेरिका के जर्मनी में राजदूत और खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक रह चुके हैं। ट्रंप के चुनाव अभियान में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी और वे अमेरिका के विदेश मंत्री बनने के प्रबल दावेदार भी थे। यदि उन्हें यह पद मिलता है, तो वह रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के ट्रंप के प्रयासों में अहम भूमिका निभाएंगे। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि ट्रंप यह पद बनाएंगे या किसी और को इसके लिए चुनेंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांडेसरा की जनसेवा अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग ने सील और संचालकों को नोटिस दिया और नोटिस के बाद झोलाछाप डॉक्टर लापता

सचिन इलाके में अब भी कई ऐसे फोटो क्लीनिक जैसे केंद्र सक्रिय

जनसेवा अस्पताल के तीन झोलाछाप डॉक्टरों - बबलू शुक्ला, गंगाप्रसाद मिश्रा और राजाराम दुबे - को 28 तारीख को अस्पताल के पंजीकरण और डॉक्टरों के प्रमाणपत्रों के साथ हाजिर होने का अल्टीमेटम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,पांडेसरा की जनसेवा मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल को फायर विभाग द्वारा सील करने के बाद, पहली बार जिला स्वास्थ्य विभाग ने क्लीनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील किया। साथ ही, तीन संचालकों को 28 नवंबर को सभी प्रमाणों के साथ हाजिर होने का अल्टीमेटम दिया गया है।

जनसेवा के नाम पर लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों पर कानून का शिकंजा कस दिया गया है। फायर विभाग द्वारा सीलिंग की कार्रवाई के बाद, जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग ने मौके का निरीक्षण कर अस्पताल को सील कर दिया। इसके साथ ही, तीनों झोलाछाप डॉक्टरों या कथित संचालकों को नोटिस जारी कर 28 नवंबर, गुरुवार को जिला स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया गया है।

28 तारीख को संचालकों को अस्पताल का पंजीकरण प्रमाणपत्र, डॉक्टरों के प्रमाणपत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने का अल्टीमेटम दिया गया है।

पांडेसरा जैसी कुछ अन्य अस्पतालों के संचालन पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या डॉक्टरों ने गुजरात में प्रैक्टिस करने के लिए गुजरात मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण कराया है या नहीं। पांडेसरा की जनसेवा अस्पताल, जिसे पहले फायर विभाग ने सील किया था, अब जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील किए जाने के बाद विवाद का केंद्र बन गई है।

इस अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों में से कुछ राज्य के बाहर से हैं। गुजरात में प्रैक्टिस करने के लिए डॉक्टरों के लिए गुजरात मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों की जांच की जाएगी कि क्या उन्होंने गुजरात में पंजीकरण कराया है। यदि उन्होंने पंजीकरण नहीं कराया है, तो नए कानून के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि बिना वैध पंजीकरण के प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों पर रोक लगाई जा सके।

यह स्थिति सूरत के सचिन क्षेत्र की है, जहां किसी भी कार्रवाई का अभाव देखा गया है। इस क्षेत्र में नाबालिग बच्चीयों का गर्भपात जैसी गंभीर घटनाओं को अंजाम दिया जाता है, और यह सब स्थानीय नेताओं, कार्यकर्ताओं और राजनीतिक दबाव के चलते चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, इन क्लीनिकों और अस्पतालों में मरीजों के मेडिकल रिपोर्ट्स भी फर्जी बनाए जाते हैं, और मरीजों का इलाज इसी आधार पर किया जाता है। यदि कोई शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो भी संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

सूत्रों के मुताबिक, व्यापार मंडल के नाम पर राजनीतिक दलों के सचिन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने हाल ही में छठ पूजा के नाम पर बड़े पैमाने पर धन उगाही की। जिन व्यापारियों या क्लीनिक संचालकों ने यह राशि देने से इनकार किया, उनके साथ छोटी-मोटी झड़पें भी हुईं।

सूत्रों के मुताबिक इस क्षेत्र में हिंदुत्व के नाम पर गंभीर घटनाओं, जैसे गर्भपात को अंजाम दिया जाता है।

ऐसी स्थिति में, जब कानून का उल्लंघन करने वाले ही प्रभावशाली लोगों के साथ हों, तो कोई भी शिकायत दर्ज करने का साहस नहीं करता। इस वजह से इस क्षेत्र में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्रवाई पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रही है।

शहर के डिंडोली, पांडेसरा, सचिन, सचिन जीआईडीसी, पाली, बमरौली जैसे श्रमिक बहुल इलाकों में झोलाछाप डॉक्टरों ने धड़ल्ले से क्लीनिक खोल रखे हैं। बिना किसी चिकित्सा प्रमाणपत्र के, महज दो से पांच साल तक किसी अस्पताल या क्लीनिक में काम करने के बाद ये लोग डॉक्टर बन बैठे हैं और खुलेआम लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

इसी कड़ी में, बमरौली क्षेत्र में जनसेवा के नाम पर कुछ लोगों ने पूरी अस्पताल खड़ी कर दी। अस्पताल खोलने के लिए किसी भी प्रकार की अनुमति या पंजीकरण के बिना उसका उद्घाटन भी कर दिया गया। जब तक यह अस्पताल लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करता, स्थानीय अखबार *अखबार संदेश* ने इन झोलाछाप डॉक्टरों की पोल खोल दी।

इस खबर के बाद पुलिस विभाग, फायर ब्रिगेड और जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सक्रिय हो गए। शुक्रवार देर शाम स्वास्थ्य अधिकारी अनिल पटेल अस्पताल पहुंचे और नए कानून के तहत कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील कर दिया। साथ ही, अस्पताल के तीन झोलाछाप डॉक्टरों या संचालकों को नोटिस जारी किया गया, जिसमें उन्हें 28 नवंबर, गुरुवार को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का आदेश दिया गया।

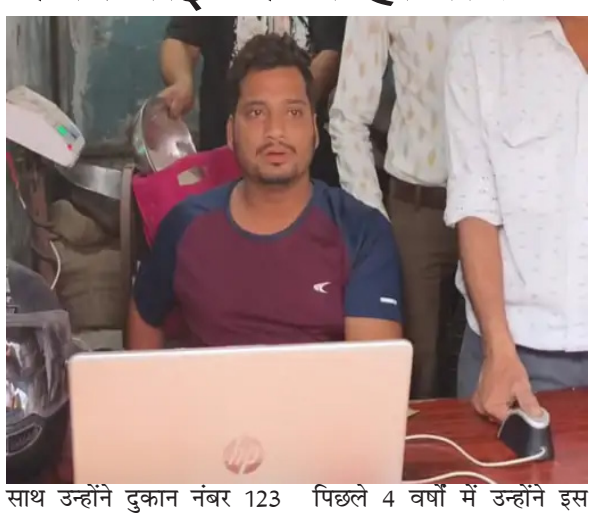

इस अस्पताल के तीन संचालकों -

1. बबलू राम आश्रम शुक्ल (पता: ओ. साईं पूजा रो हाउस, भेस्तान),
2. गंगाप्रसाद वैकुंठप्रसाद मिश्रा (पता: ए. गृहम सोसायटी, हनुमान मंदिर के पास, गोडादरा), और
3. राजाराम केशवप्रसाद दुबे (पता: 118ए, तृप्तिनगर, मिलन प्वाइंट, पांडेसरा)

राज्य सरकार द्वारा नया कानून लागू होने के बाद सभी अस्पतालों और क्लीनिकों के लिए अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीकरण करने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के तहत सूरत शहर और जिले के सभी अस्पतालों को जिला स्वास्थ्य अधिकारी के निरीक्षण में रखा गया है।

इसी दौरान, पांडेसरा की जनसेवा मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल को लेकर पालिका के फायर विभाग द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की गई थी, और पुलिस द्वारा भी मामले की जांच जारी थी।

जांच के दौरान यह पता चला कि अस्पताल के संचालकों ने नए कानून के तहत अनिवार्य ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया था। इस पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल पटेल ने शुक्रवार देर रात इस अस्पताल को सील कर दिया।

को पी. गुजरात क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 2021 के तहत पंजीकरण पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हें अपने आधार और अन्य प्रमाणों के साथ आगामी 28 नवंबर को उपस्थित होने का अल्टीमेटम दिया गया है।

यदि वे निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते हैं या आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करते हैं, तो इस एक्ट के तहत उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह स्थिति सूरत के सचिन क्षेत्र की है, जहां किसी भी तरह की कार्रवाई का अभाव देखने को मिल रहा है।

स्थिति यह है कि कानून का उल्लंघन करने वाले लोग खुद प्रभावशाली हैं, जिसके चलते न तो कोई शिकायत दर्ज होती है और न ही किसी पर कार्रवाई की जाती है। इससे यह क्षेत्र कानून और प्रशासनिक निष्क्रियता का शिकार हो रहा है।

सूत्रों के मुताबिक हिन्दुत्व के नाम पर लोगों का शोषण कर फर्जीवाड़ा कर रहे जमीन के दलाल, बिल्डर, डेवेलोपर , अवैध रूप से चला रहे नाश का करोबार, हिन्दुत्व के नाम पर कर रहे कानून के निति-नियम का उल्लंघन

अज्ञात हमलावरों ने ऊपर से चप्पू के घाव मारकर एक युवक को मौत के घाट उतार दिया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में रात एक युवक की सार्वजनिक रूप से हत्या किए जाने से हड़कंप मच गया। अज्ञात हमलावरों ने चप्पू से ऊपर से घाव मारकर युवक को मौत के घाट उतार दिया। युवक घटना स्थल पर ही गिर पड़ा था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक की पहचान कर ली है, हालांकि हत्या के पीछे का कारण अभी तक अस्पष्ट है।

सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में मुर्गा केंद्र के पास एक युवक की हत्या की घटना सामने आने से हड़कंप मच गया है। युवक की हत्या धारदार हथियार से की गई है। युवक का शव सार्वजनिक स्थान पर पड़ा हुआ था, जिससे लोगों का जमावड़ा लग गया था। शव खून से सना हुआ था। युवक को आसपास के इलाके के लोग पहचानते थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, हत्या के कारण के बारे में अभी तक कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई है।

कापोद्रा पुलिस ने टीम बनाकर जांच शुरू कर दी है। युवक पर किसी कारणवश चप्पू से हमला किया गया था। चर्चा है कि यह हमला अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किया गया था। चप्पू से युवक पर ऊपर से घाव किए गए, जिससे ऋषि गुलाबचंद पांडे उर्फ पंडित की मौत हो गई। हमलावर युवक पर हमला कर फरार हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही कापोद्रा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची, जहां उच्च पुलिस अधिकारी समेत पूरी टीम ने पहुंचकर मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। अज्ञात हमलावरों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं, साथ ही आसपास के लोगों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

पुलिस का काफिला घटना स्थल पर पहुंच गया और मामले की जांच शुरू कर दी।

सस्ते अनाज की दुकान के खिलाफ कार्रवाई कब होगी ?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वराछा क्षेत्र के किरण चौक में 123 नंबर की सस्ते अनाज की दुकान पर अनाज कम देकर गरीब लोगों के साथ धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है।

सूरत के वराछा-ए क्षेत्र स्थित किरण चौक में सस्ते अनाज की दुकान में सरकार द्वारा गरीब व्यक्तियों को अनाज प्रदान किया जाता है, लेकिन उन्हें निर्धारित मात्रा में अनाज नहीं दिया जाता, ऐसी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

राज्य सरकार द्वारा राज्य की दुकानों में पारदर्शिता के साथ अनाज वितरण सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन राशन माफिया अपनी मनमानी से अनाज की हेराफेरी करने में सफल हो जाते हैं। स्थानीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को उनका हक का अनाज नहीं मिलता।

वार्ड नंबर 17 के कॉर्पोरेटर विपुलभाई सुहागिया राशन की दुकान पर गए थे, जहां एक गर्भवती महिला का फोन आया था कि उन्हें पूरा राशन नहीं दिया जा रहा है और उन्हें बार-बार धक्के दिए जाते हैं। तुरंत, साथी कॉर्पोरेटर रचन हीरपरा और कार्यकर्ताओं की टीम के साथ उन्होंने दुकान नंबर 123 पर पहुंचकर जांच की। वहां पाया गया कि राशन माफिया सच में लोगों को कम अनाज देते हैं और उन्हें बार-बार धक्के देते हैं। शिकायतकर्ता गर्भवती महिला ने बताया कि वह आज राशन लेने के लिए तीसरी बार आई थी, और उसे सिर्फ आधा राशन दिया गया। दुकान में बिल नहीं दिए जाते, प्रिंटर नहीं रखा जाता, और अनाज के जखीरे की कोई जानकारी नहीं दी जाती। सरकार द्वारा खांड देने का आदेश है, लेकिन लोगों को गेहूं और चावल की बजाय दो किलो चीनी दी जाती है। इस जगह पर गैरकानूनी तरीके से चीनी के बोरे भी छिपाकर रखे गए थे। राशन माफिया गरीबों के हक का अनाज हड़प कर उन्हें लूटते हैं, और नियम के अनुसार जो अनाज देना चाहिए, वह नहीं दिया जाता।

आम आदमी पार्टी के कॉर्पोरेटर विपुल सुहागिया ने कहा कि पिछले 4 वर्षों में उन्होंने इस दुकान पर 4-5 बार छापेमारी की है, और बार-बार गड़बड़ियां पाई जाती हैं, फिर भी इन राशन माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने सवाल उठाया कि इन राशन माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? कौन इन्हें शरण देता है? किसकी कृपा से ये राशन माफिया बिना किसी डर के लोगों के हक का अनाज हड़पकर अपने धंधे को चलाते हैं? क्या सत्ता पक्ष के विधायक और मंत्री इन राशन माफियाओं के साथ मिलकर साझेदारी में धंधा करते हैं? क्यों इन राशन माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है? चुनाव के समय मोदी के फोटो वाले थैले देकर केवल मार्केटिंग की जाती है और वाहवाही लूटी जाती है, लेकिन लोगों का हक खा जाने वाले इन राशन माफियाओं के खिलाफ कभी कार्रवाई नहीं होती।

पांडेसरा में एक पिता ने अपने पुत्र द्वारा शराब पीने से मना करने पर आत्महत्या कर ली।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पांडेसरा के जय अंबेनगर में शुक्रवार दोपहर 34 वर्षीय शंभु मेवालाल निषाद ने अपने घर के दूसरे माले की गैलरी से कूदकर आत्महत्या कर ली। उसे गंभीर चोटें आने पर नई सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

शंभु के परिचितों के अनुसार, वह शराब का अधिक सेवन करता था। घटना वाले दिन भी वह शराब के नशे में घर आया था। इस पर उसके पुत्र ने उसे शराब पीने से मना किया, जिससे वह आहत हो गया और यह कदम उठाया। शंभु एक प्राइवेट नौकरी करता था, जबकि उसका पुत्र एक मिल में काम करता है।

सूरत पुलिस कमिश्नर की कार्रवाई

एक ही दिन में 18 अपराधी इतिहास रखने वाले आरोपियों को P.A.S.A के तहत जेल भेजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस कमिश्नर की कार्रवाई- एक ही दिन में 18 अपराधी इतिहास रखने वाले आरोपियों को क्क.स्न (गुजरात प्रिवेंशन ऑफ एंटी सोशल एक्टिविटीज एक्ट) के तहत जेल भेजा गया।

इस कार्रवाई का उद्देश्य शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाना है। पुलिस ने इन आरोपियों की गतिविधियों का विस्तृत अध्ययन किया और यह सुनिश्चित किया कि उनके खिलाफ सबूत पुख्ता हों। इसके बाद, कमिश्नर ने पासा के तहत कार्रवाई का आदेश दिया, जिसके तहत आरोपियों को सीधे जेल भेजा गया।

इस तरह की कार्रवाई सूरत पुलिस द्वारा कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों को चेतावनी देने के लिए की जाती है।